RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:279 ता. 27 अप्रेल 2024, शनिवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठः 8 कीमतः 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

सोपोर में दो आतंकी ढेर, दो जवान घायल

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के सोपोर में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को दो आतंकी मार गिराए। यहां सुरक्षाबलों ने गुरुवार को ऑपरेशन शुरू किया था। आतंकियों से मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं। इस दौरान एक नागरिक के कंधे में गोली लगी। उसे जिला अस्पताल भेजा गया, जहां से उसे श्रीनगर रेफर कर दिया गया। नौपोरा इलाके में एक घर के अंदर आतंकियों के छिपे होने की सूचना थी। सुरक्षाबलों ने वहां घेराबंदी दी। आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं और वहां मुठभेड़ शुरू हो गई। गुरुवार को रात अंधेरा होने पर ऑपरेशन रोक दिया गया था। आज सुबह फिर से गोलीबारी शुरू हुई, जिसमें दो आतंकी मारे गए। मारे गए आतंकियों की पहचान नहीं हुई है। वहां लश्कर के डिवीजनल कमांडर उस्मान और लश्कर के संगठन टीआरएफ के कमांडर बासित डार के फंसे होने की जानकारी थी।

सूरत में दोबारा चुनाव कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

निर्विरोध चुने गए थे भाजपा उम्मीदवार

नई दिल्ली। गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार निलेश कुंभानी का पर्चा खारिज होने और अन्य प्रत्याशियों के द्वारा अपना पर्चा वापस लेने के बाद भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया था। अब सूरत में दोबारा चुनाव कराने को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल की गई है। इसके लिए मतदाताओं के नोटा विकल्प पर वोट देने के अधिकार को आधार बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि कांग्रेस उम्मीदवार का पर्चा खारिज होने, और अन्य प्रत्याशियों के द्वारा पर्चा वापस लेने के बाद भी जनता के पास नोटा को वोट देने का विकल्प खुला हुआ था। चुनाव आयोग द्वारा मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित करने से मतदाताओं के नोटा विकल्प को वोट देने का अधिकार छिन गया है। सर्वोच्च न्यायालय से प्रार्थना की गई है कि नोटा विकल्प की विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए चुनाव आयोग को सूरत में दोबारा चुनाव कराने का आदेश दिया जाए।

तीन भारतीय कंपनियों पर अमेरिको ने लगाया बैन

नई दिल्ली। अमेरिका ने ईरान के साथ व्यापार करने पर भारत की तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, इन कंपनियों पर आरोप है कि ये ईरानी सेना के साथ अवैध व्यापार और उनके लिए ड्रोन्स ट्रांसफर करने का काम करती थीं। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने बताया कि यह बैन भारत के अलावा कई दूसरे देशों की कंपनियों, लोगों और जहाजों पर लगाया गया है। ये सभी गुप्त तरह से रूस तक ईरानी ड्रोन्स की डिलीवरी में अहम भूमिका निभाते हैं। इन ड्रोन्स का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जंग में किया जाता है। जिन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनमें जेन शिपिंग, पोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटिड और सी आर्ट शिप मैनेजमेंट कंपनी शामिल है।

शादी में सिलेंडर ब्लास्ट, 6 की मौत

दरभंगा । दरभंगा में शादी के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट होने से 6 लोगों की मौत हो गई है। हादसा गुरुवार रात 11 बजे के बाद हुआ। गांव के लोगों ने बताया की छगन पासवान की बेटी की शादी थी। बारात को पड़ोसी रामचंद्र पासवान के आवासीय परिसर में ठहराया गया था। इस दौरान बारातियों ने जमकर आतिशबाजी की। पटाखों की चिंगारी से शामियाने में आग लग गई। पास में ही खाना बन रहा था। देखते ही देखते आग सिलेंडर तक जा पहुंची। सिलेंडर में आग लगते ही ब्लास्ट हो गया। हादसे के बाद दूल्हा-दुल्हन को पास के ही मंदिर में ले जाया गया। वहां दोनों की शादी हुई।

राहुल 30 को भिंड में तो 2 मई को मुरैना में प्रियंका का रोड शो

दोनों सीटों समेत मप्र में नौ लोकसभा सीटों के लिए सात मई को मतदान होगा।

भोपाल। आदिवासी बहुल क्षेत्र महाकोशल के बाद अब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ग्वालियर-चंबल अंचल में आएंगे। वे अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित भिंड लोकसभा क्षेत्र में 30 अप्रैल को सभा को संबोधित करेंगे। वहीं, पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा दो मई को मुरैना में सभा करेंगी। इन दोनों सीटों समेत मप्र में नौ लोकसभा सीटों के लिए सात मई को मतदान होगा। कांग्रेस ने इस बार ग्वालियर-चंबल अंचल की चार सीटों पर ऐसे चेहरों को मैदान में उतारा है, जो पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी में अनुसूचित जाति वर्ग के बड़े चेहरे भांडेर से विधायक फूल सिंह बरैया को उम्मीदवार बनाया है तो मुरैना से सत्यपाल सिंह सिकरवार पर दांव लगाया है। सिकरवार के बड़े भाई सतीश सिकरवार ग्वालियर पूर्व से विधायक हैं और भाभी शोभा सिकरवार हैं। सत्यपाल स्वयं 2013 में भाजपा से सुमावली क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं। ग्वालियर से पूर्व विधायक प्रवीण पाठक और गुना से राव यादवेंद्र सिंह यादव को मैदान में उतारा गया है। पार्टी का प्रयास है कि भिंड और मुरैना में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की सभा कराकर पूरे अंचल में संदेश दिया जाए। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समय भी राहुल गांधी मुरैना, भिंड और ग्वालियर संसदीय क्षेत्र से गुजरे थे।

---

3 राज्यों की 88 सीटों पर वोटिंग खत्म

त्रिपुरा-मणिपुर में 75 प्रतिशत से ज्यादा मतदान; जयराम रमेश का आरोप- मणिपुर के बूथ में लोकतंत्र हाईजैक

नई दिल्ली

18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए सेकेंड फेज में शुक्रवार 26 अप्रैल को 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर वोटिंग हुई। त्रिपुरा में सबसे ज्यादा करीब 77.93% वोटिंग हुई। महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश मे सबसे कम 53% के आसपास मतदान हुआ।

मणिपुर के उखरुल से एक वीडियो सामने आया, जिसमें कुछ संदिग्ध एक बूथ के अंदर घुस आए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लोकतंत्र हाईजैक होने का आरोप लगाया। इससे पहले, छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में बूथ पर ड्यूटी के दौरान एक पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मार ली। वह मध्य प्रदेश का रहने वाला है।

तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बंगाल की दो लोकसभा सीटों बालूरघाट और रायगंज में सेंट्रल फोर्सेस महिलाओं को वोटिंग से रोकी। बालूरघाट में बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और तृणमूल वर्कर्स के बीच झड़प भी हुई। सेकेंड फेज में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, 5 केंद्रीय मंत्री, 2 पूर्व CM और 3 फिल्मी सितारे मैदान में हैं। इसके अलावा राहुल गांधी, शशि थरूर और हेमा मालिनी की सीट पर भी वोटिंग हुई। आउटर मणिपुर के कुछ हिस्सों में दोबारा वोटिंग हुई। चुनाव आयोग ने इस सीट पर दो फेज में चुनाव की घोषणा की थी।

2019 में सेकेंड फेज की सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा को 50 और NDA के सहयोगी दलों ने 8 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में 21 सीटें गईं थीं। अन्य को 9 सीटें मिली थीं।

चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 1,202 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 1,098 पुरुष और 102 महिला उम्मीदवार हैं। दो प्रत्याशी थर्ड जेंडर से है। इससे पहले 19 अप्रैल को पहले फेज की 102 सीटों पर वोटिंग हुई थी। आज के बाद 5 फेज की वोटिंग 1

जून को खत्म होगी। 4 जून को नतीजे आएंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी ने अररिया और मुंगेर में सभा को संबोधित करते हुए कहा

इन्होंने बैलट पेपर लूटकर किया राज

अररिया/ मुंगेर।

पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार के अररिया और मुंगेर में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कांग्रेस के शहजादे ने कहा कि हर परिवार की कमाई का, प्रॉपर्टी का सर्वे करेंगे। विरासत टैक्स लगाकर आपसे लूटी गई संपत्ति को कांग्रेस अपने खास वोट बैंक को बांट देगी।

आज पूरा देश, नौजवान, बुजुर्ग मां-बाप चिंतित हैं। इसलिए एक स्वर से पूरा देश कह रहा है- कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। उन्होंने कहा कि राजद, कांग्रेस के इंडी गठबंधन को न देश के संविधान की परवाह है और न ही लोकतंत्र की परवाह है। ये वह लोग हैं जिन्होंने दशकों तक बैलट पेपर के बहाने गरीबों का अधिकार छीना। पोलिंग बूथ, बैलट पेपर लूट लिए जाते थे। जब गरीबों को ईवीएम की ताकत मिली है तो चुनाव के दिन लूट करने वालों को बर्दाश्त नहीं हो रहा था। इसलिए वे ईवीएम को हटाना चाहते हैं, लेकिन आज सुप्रीम कोर्ट ने मतपेटियों को लूटने के इरादा रखने वालों को ऐसा गहरा झटका दिया है कि उनके सारे सपने चूर-चूर हो गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इन्होंने(कांग्रेस) यहां तक झूठ फैलाया कि कभी डॉ. मनमोहन सिंह ने ऐसा कहा ही नहीं था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। लेकिन आज डॉ. मनमोहन सिंह का एक और पुराना वीडियो सामने आया है जिसमें वे वही कह रहे हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। यह वीडियो सामने के बाद कांग्रेस और उनके पूरे इकोसिस्टम को जैसे सांप सूंघ गया है। पीएम ने आगे कहा कि देश के हित में देश और भी बड़े फैसले लेने वाला है। पूरा देश एक ही बात कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम ने युवा वोटर्स से ज्यादा से ज्यादा वोट डालने की अपील की।

इंडी गठबंधन का काम अपनी तिजोरी भरना

उन्होंने कहा कि ये चुनाव देश को शक्तिशाली बनाने के लिए है। बिहार की इसमें बड़ी भूमिका है। बिहार को आगे बढ़ाने के लिए आपका सेवक और यहां नीतीश जी पूरी शक्ति से काम कर रहे हैं। इंडी गठबंधन का मकसद है देश के लोगों से छीनना। उन्हें लटकाकर रखना और अपनी तिजोरी भरना। उन्होंने कहा कांग्रेस के शहजादे ने कहा कि हर परिवार की कमाई का, प्रॉपर्टी का सर्वे करेंगे। परिवार के पास क्या होता है? जेवर-गहने रहते हैं। भ्रष्टाचार करने वाली कांग्रेस की नजर आपकी संपत्ति पर पड़ गई है। आपके जमीनों का सर्वे करेगी। आप पर टैक्स लगाएगी। हर परिवार का एक्सरे कराएगी।

देश के हित में देश और भी बड़े फैसले लेने वाला है

पीएम नरेंद्र मोदी अररिया के फारबिसगंज में सभा को संबोधित कर रहे हैं। बीजेपी प्रत्याशी प्रदीप सिंह के पक्ष में प्रधानमंत्री वोट मांग रहे हैं।

पीएम ने कहा कि देश के हित में देश और भी बड़े फैसले लेने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरा देश एक ही बात कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम ने युवा वोटर्स से ज्यादा से ज्यादा वोट डालने की अपील की।

संदेशखाली में छापेमारी में गोला-बारूद बरामद

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में ईडी अधिकारियों पर हमले के मामले में सीबीआई कई स्थानों पर छापेमारी की। सीबीआई ने इन छापेमारियों में बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार बरामद किए हैं।

इससे पहले संदेशखाली मामले में सीबीआई ने पहली एफआईआर दर्ज की थी। सीबीआई ने ईमेल के जरिए शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की थी। इस एफआईआर में पांच लोग नामजद हैं जबकि बाकी अज्ञात लोग हैं। महिलाओं के साथ अत्याचार और जमीन हड़पने के मामलों की जांच के लिए सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम ने पिछले हफ्ते संदेशखाली का दौरा किया था। इस दौरान टीम ने पीड़ित परिवारों और महिलाओं बातचीत करके उनके बयान दर्ज किए थे। इसके साथ ही सीबीआई की एक टीम संदेशखाली पुलिस स्टेशन भी पहुंची, जहां मौजूद पुलिसकर्मियों से जांच रिपोर्ट तलब की थी।

विजय माल्या को फ्रांस के जरिए वापस लाने की तैयारी

- भारत ने बेशर्त प्रत्यर्पण मांगा; माल्या की वहां भी 313 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली।

भारत सरकार भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या को देश लाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए सरकार ने फ्रांस के अधिकारियों से बिना शर्त माल्या को भारत को सौंपने की मांग की है। माल्या अभी ब्रिटेन में है, लेकिन भारत इस वक्त हर उस देश से संपर्क कर रहा है, जहां माल्या की प्रॉपर्टी है। ऐसा इसलिए, अगर माल्या ब्रिटेन छोड़कर दूसरे देश भागता है तो उसे वहां से भारत लाने में ज्यादा समय न लगे।रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और फ्रांस के बीच में माल्या के प्रत्यर्पण पर बातचीत 15 अप्रैल को काउंटर-टेररिज्म के वर्किंग ग्रुप की एक बैठक के दौरान हुई। हालांकि, इसकी जानकारी अब सामने आई है। फ्रांस ने इस बैठक में कुछ शर्तों के साथ माल्या के प्रत्यर्पण का ऑफर दिया, लेकिन भारत ने उनसे शर्तें हटाने को कहा है। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी केडी देवल शामिल हुए थे। इसके अलावा बैठक में इंटेलिजेंस एजेंसी के कई अधिकारी भी मौजूद रहे। किंगफिशर एयरलाइंस समेत कई कंपनियों के मालिक रहे भारतीय बिजनेसमैन विजय माल्या पर देश के 17 बैंकों के करीब 9 हजार करोड़ रुपए बकाया हैं।2019 में विजय माल्या को भगोड़ा घोषित किया गयामाल्या 2016 में देश छोड़कर ब्रिटेन भाग गया था, जहां से भारत सरकार उसे देश लाने का प्रयास कर रही है। माल्या पर फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग के केस चल रहे हैं। 5 जनवरी 2019 को अदालत ने विजय माल्या को भगोड़ा घोषित कर दिया था। पिछले साल जांच के दौरान सीबीआई ने दावा किया था कि माल्या ने साल 2015-16 के दौरान ब्रिटेन और फ्रांस में 330 करोड़ रुपए की संपत्तियां खरीदी थीं। उस वक्त उसकी कंपनी किंगफिशर एयरलाइंस घाटे में थी। माल्या ने खुद बैंकों को कर्ज नहीं चुकाया था। साल 2020 में श्रेष्ठ की अपील पर फ्रांस ने वहां मौजूद माल्या की 14 करोड़ की प्रॉपर्टी को सीज कर लिया था।

जोधपुर में पांच पीढ़ियों के 70 लोग एक साथ गए मतदान करने

जोधपुर ।

जोधपुर में पांच पीढ़ियों के 70 लोग एक साथ सजधज कर वोट करने पहुंचे। इसी परिवार ने तय किया था कि लोकतंत्र के पर्व को उत्साह के साथ मनाना है। वे लोगों को संदेश देना चाहते हैं कि वो वोट जरूर करें। भारत का नाम विश्व में सबसे सशक्त लोकतंत्र के रूप में पहचाना जाए। सजधज कर वोट करने पहुंचे पुरुषों ने राजस्थानी साफा पहन रखा था तो वहीं महिलाओं ने चूंदड़ी की लाल साड़ी पहनी थी। इस परिवार में फर्स्ट वोटर (जो पहली बार मतदान कर रहे हैं) भी थे और साथ ही बच्चे भी थे, जो आने वाले समय में वोटर बनेंगे। इसी परिवार के एक सदस्य ने बताया कि हमने सोच लिया था कि राजस्थान की संस्कृति का प्रतीक साफा पहनेंगे और महिलाएं चूंदड़ी की साड़ी पहनेंगी। हमारे परिवार में कुछ लोग पहली बार वोट कर रहे हैं। हम लोगों को संदेश देना चाहते हैं कि वो वोट जरूर करें। भारत का नाम विश्व में सबसे सशक्त लोकतंत्र के रूप में पहचाना जाए। बता दें कि राजस्थान की जोधपुर सीट पर बीजेपी की ओर से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत लड़ रहे हैं। उनके सामने कांग्रेस ने राजपूत समाज से ही करण सिंह को मैदान में उतारा है। 2014 और 2019 में भी इस सीट से गजेंद्र सिंह शेखावत ही जीते थे, इसलिए इस बार भी बीजेपी ने उन्हें ही उम्मीदवार घोषित किया है।

रेल यात्रियों के लिए गुडन्यूज!

अब घर बैठे बुक कर सकेंगे जनरल और प्लेटफार्म टिकट

चंदौली।

जनरल टिकट लेकर यात्रा करने वाले रेल यात्रियों के लिए एक खुशखबरी है। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर यूटीएस ऑन मोबाइल एप में यात्रा टिकट और प्लेटफॉर्म टिकट दोनों के लिए बाहरी सीमा जियो-फेंसिंग दूरी का प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। इससे अब रेल यात्री घर बैठे ही भारतीय रेल के किसी भी स्टेशन से किसी भी स्टेशन के लिए अपना अनारक्षित टिकट व प्लेटफॉर्म टिकट बुक कर सकते हैं। हालांकि जियो फेंसिंग की आंतरिक सीमा अपरिवर्तित रहेगी। यानी अगर आप रेलवे स्टेशन के आसपास हैं तो केवल स्टेशन परिसर के बाहर से ही टिकट बुकिंग की अनुमति मिलेगी।

बाहरी सीमा जियो-फेंसिंग दूरी का प्रतिबंध हटा

गौरतलब है कि वर्तमान समय में ऑन मोबाइल ऐप से टिकट बुक करने के लिए बाहरी सीमा जियो-फेंसिंग दूरी का प्रतिबंध 20 किलोमीटर का था यानी कोई भी यात्री वर्तमान में किसी स्टेशन से अधिकतम 20 किमी की दूरी तक ही उस स्टेशन से यात्रा के लिए अनारक्षित टिकट या प्लेटफॉर्म टिकट बुक कर सकता था। अब यह प्रतिबंध हटा दिया गया है। जिसके चलते जनरल टिकट और प्लेटफार्म टिकट आप अपने मोबाइल ऐप से घर बैठे ही बुक कर सकते हैं।

किसी भी स्टेशन से किसी भी स्टेशन के लिए टिकट बुकिंग संभव

इस संदर्भ में जानकारी देते हुए पूर्व मध्य रेल के सीपीआरओ वीरेंद्र कुमार ने बताया कि मोबाइल ऐप की सुविधा यात्रियों को प्रदान की गई थी। इसमें टिकट बुकिंग के लिए स्टेशन परिसर से एक निश्चित दूरी का प्रतिबंध लगाया गया था। जिसे अब खत्म कर दिया गया है और अब यात्री घर बैठे किसी भी स्टेशन से किसी भी स्टेशन के लिए अनारक्षित टिकट या प्लेटफार्म टिकट यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से ले सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि पिछले काफी समय से अनारक्षित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल द्वारा इंटरनेट

कनेक्शन वाले स्मार्ट फोन (एनड्राइड या विंडो आधारित) के जरिए अनारक्षित टिकट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा से रेल यात्री अनारक्षित टिकट लेने के लिए लंबी कतारों में लगने से बच सकते हैं और वे अपने मोबाइल से आसानी से जनरल यानी अनारक्षित टिकट बुक कर सकते हैं।

विस्तारा की फ्लाइट में आई खराबी, मुंबई से आई तकनीकी टीम

पटना। पटना एयरपोर्ट पर विस्तारा की फ्लाइट संख्या यूके 717 दिल्ली से पटना आने के बाद खराब हो गई। जांच के दौरान ये जानकारी मिली की इसके इंजन में कुछ तकनीकी खराबी है। इसके बाद इससे यात्रा करने वाले यात्रियों को इसकी सूचना दी गई है। यह फ्लाइट सुबह 9 बजे के आस पास पटना एयरपोर्ट पर पहुंची थी और 11 बजे फिर से पटना से दिल्ली जाना था। विमान में आई खराबी को ठीक करने के लिए मुंबई से इंजीनियर्स को बुलाया गया है। कंपनी की तरफ से इस फ्लाइट से जाने वाले यात्रियों को अलग फ्लाइट की व्यवस्था की गई है।

रविकिशन को राहत... शिनोवा की याचिका खारिज

नई दिल्ली । भोजपुरी और हिंदी सिनेमा के सितारे और गोरखपुर से सांसद रवि किशन को मुंबई के कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। खुद को रवि किशन की बेटी बताने वाली 25 साल की महिला शिनोवा ने कुछ वक्त पहले रविकिशन के डीएनए टेस्ट की मांग की थी। शिनोवा का कहना है कि वहां रवि किशन की बेटी हैं। वे चाहती हैं कि किशन अपना डीएनए टेस्ट करवाएं, ताकि अगर वे झूठ बोल रही हैं, तब ये साबित हो जाए। हालांकि अब मुंबई के दिंडोशी सेशन कोर्ट ने शिनोवा की इस अपील को खारिज कर दिया है। 25 साल की शिनोवा ने दावा किया था कि रवि किशन उसके बायोलॉजिकल पिता है। कोर्ट ने कहा कि रवि किशन और दावा करने वाली महिला शिनोवा कि मां का कोई परिवार संबंध नहीं था, इसके बाद ये कोई मामला नहीं बनता। अभी कोर्ट के पूरे आदेश को जारी नहीं किया गया है। शिनोवा और उसकी मां अपर्णा सोनी उर्फ अपर्णा ठाकुर ने बड़े दावे किए थे। उन्होंने दावा किया था कि रवि किशन उनकी बेटी शिनोवा के पिता हैं। इसके बाद शिनोवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को टैग करते हुए एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में उन्होंने दोनों से आग्रह किया था कि वे वक्त निकालकर शिनोवा से मिलें। शिनोवा का कहना था कि वे अपने दावों के पीछे के सबूत भी उनके सामने रख सकती हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री उनकी किस्मत का फैसला करें। इसके बाद रवि किशन की पत्नी प्रीति शुक्ला ने पुलिस थाने में अपर्णा ठाकुर, उनकी बेटी शिनोवा, पति राजेश सोनी, बेटे सौनक सोनी समाजवादी पार्टी के लीडर विवेक कुमार पांडे और एक खुर्शीद खान नाम के पत्रकार, जो एक यूट्यूब चैनल चलाते हैं, के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। रविकिशन की पत्नी प्रीति शुक्ला ने एफआईआर में महिला और उसकी बेटी पर धमकी देने, झूठे इल्जाम लगाने और जबरदस्ती पैसे वसूलने की कोशिश का आरोप लगाया है। शिनोवा भी एक अभिनेत्री है। शिनोवा ने बताया की कैसे उनके परिवार का उत्पीड़न किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा था कि इस विवाद को खत्म करने के लिए रवि किशन का पैटरनिटी टेस्ट करवाया जाए।

थाना फूलपुर पुलिस टीम द्वारा पॉस्को एक्ट से संबंधित वांछित अपराधी को किया गया गिरफ्तार

संवाददता लक्ष्मीकांत पाण्डेय। कमिश्नरेट प्रयागराज के फूलपुर थाना के अन्तर्गत पॉस्को एक्ट सम्बंधित अपराधी संदीप कुमार पुत्र परमानन्द यादव उम्र लगभग 27 वर्ष निवासी ग्राम बसनेहटा फूलपुर को थाना फूलपुर पुलिस की टीम ने करूआडीह तिराहे के समीप गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कारवाई के लिए भेज दिया गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम उ0नि0 राम विनोद यादव, हेड कस्टेबल हीरालाल यादव के साथ अन्य सहयोगीयो के साथ मिलकर अपराधी के खिलाफ थाना फूलपुर मे मु0अ0सं095/2024 धारा -335/354डी/504 भारतीय दंड संहिता व7/8 पॉस्को एक्ट थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।

मतदान करना हैं, इसलिए नारायण मूर्ति की अस्पताल से छुटटी करवा ली : सुधा मूर्ति

नई दिल्ली । देश में दूसरे चरण के मतदान के बीच, कर्नाटक में 14 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान शुरू होने के बाद से अनुमानित 22.34 प्रतिशत मतदान हुआ। शुक्रवार सुबह 7 बजे मतदान शुरू होने के बाद से मतदान केंद्रों पर लोगों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और सुबह की सैर करने वालों की लंबी कतारें दिखाई दी। राज्यों की कई प्रमुख हस्तियां भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए कतार में शामिल हुईं। आईटी उद्योग के दिग्गज नारायण मूर्ति, उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति, क्रिकेट के दिग्गज राहुल द्रविड़, पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा और बॉलीवुड अभिनेता प्रकाश राज सहित अन्य लोगों ने अपनी जिम्मेदारी के अधिकार का प्रयोग किया। वोट डालने के बाद लेखिका, परोपकारी और राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने लोगों से अपने घरों से बाहर निकलने और बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें हर पांच साल में एक बार वोट देने का अधिकार मिलता है। हमें इस अधिकार का इस्तेमाल जिम्मेदारी से और बहुत सोच-समझकर करना होगा। राज्यसभा सदस्य ने मतादान श्रेष्ठ दान कहते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोगों को बाहर आना चाहिए और मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 77 वर्षीय इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति खराब स्वास्थ्य के बावजूद वोट देने आए। सुधा मूर्ति ने कहा कि नारायण मूर्ति अस्वस्थ थे और वह अस्पताल में थे। हमने उन्हें छुट्टी दे दी और मतदान के बाद हम उन्हें घर ले जा रहे हैं।

आतिशबाजी से लगी आग से हुए सिलेंडर विस्फोट से 6 परिजनों की मौत

दरभंगा । बिहार में दरभंगा जिले के बहेड़ा थाना क्षेत्र के अंटोर गांव में आतिशबाजी से लगी आग से हुए सिलेंडर विस्फोट से 6 परिजनों की मौत हो गई। जिलाधिकारी राजीव रोशन ने शुक्रवार को यहां बताया कि अंटोर गांव में गुरुवार की देर रात छगन पासवान की बेटी की शादी थी। शामियाना एवं बारातियों के ठहरने और खाने का प्रबंध रामचंद्र पासवान के आवासीय परिसर में किया गया था। बारातियों ने पहुंचने पर जमकर आतिशबाजी की जिससे शामियाना में आग लग गई। देखते ही देखते पूरा शामियाना आग की चपेट में आ गया। इस दौरान आग के फैलने से वहां रखा सिलेंडर विस्फोट कर गया। साथ ही लपटों के रामचंद्र पासवान के दरवाजे पर रखे गए डीजल के स्टॉक तक पहुंचने से आग ने भयानक रूप ले लिया एवं उनके परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में रामचंद्र पासवान का पुत्र, पुत्रवधु, उनके 2 बच्चे, पुत्री और बेटी शामिल हैं। श्री रोशन ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल की टीम को आग पर काबू पाने में करीब 4 घंटे कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर अधिकारियों को भेजा गया है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए दरभंगा चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल भेज दिया गया है।

दिल्ली मेयर चुनाव टलने पर हंगामा, बीजेपी-आप ने लगाए एक दूसरे पर आरोप

नई दिल्ली । दिल्ली मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव न होने के कारण आज सदन की बैठक शुरू होने से पहले ही जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। बीजेपी पार्षद और नेता सदन राजा इकबाल सिंह ने आप के खिलाफ सदन में संपत्ति कर बढ़ाने का विरोध करते हुए नारेबाजी शुरू की। बढ़ाए गए संपत्ति कर को बीजेपी के पार्षद ने वापस लेने की मांग की। मेयर डॉ शैली ओबरॉय सदन में पहुंची और सदन की कार्यवाही शुरू करने के लिए सभी पार्षदों से अनुरोध किया। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने निगम के मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव स्थगित किए जाने पर उपराज्यपाल पर आरोप लगाए। इसके बाद उन्होंने सदन की बैठक अनिश्चितकाली के लिए स्थगित दी।

सदन की बैठक स्थगित होने के बाद बीजेपी पार्षदों ने हरियाणवी व अन्य गीतों के जरिए भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव के मद्देनजर 400 पार के नारे लगाए। वहीं, आम आदमी पार्टी के राजेंद्र नगर से विधायक और निगम प्रभारी दुर्गेश पाठक ने मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव के स्थगित होने पर बीजेपी पर आरोप लगाए। बता दें कि दिल्ली मेयर का चुनाव 26 अप्रैल यानी आज होना था, जो पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति नहीं होने की वजह से टल गया है। आप नेताओं ने एलजी पर चुनाव टालने का आरोप लगाया है। हालांकि चुनाव आयोग ने इस चुनाव के लिए अपनी मंजूरी दे दी थी, लेकिन दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने चुनाव कराने के लिए जरूरी पीठासीन अधिकारी नियुक्त नहीं की। नतीजा यह निकला कि ठीक अंतिम समय में मेयर चुनाव रद हो गया।

वर्तमान में भारत और चीन के बीच सीमा क्षेत्रों की स्थिति सामान्य

पीएम मोदी की टिप्पणी के बाद चीनी रक्षा मंत्रालय ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच जारी सीमा विवाद को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत और चीन के बीच स्थिर और शांतिपूर्ण संबंध पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा था कि मेरा मानना ??है कि हमें अपनी सीमाओं पर लंबे समय से चली आ रही स्थिति पर तुरंत बातचीत करने की जरूरत है ताकि हमारी द्विपक्षीय बातचीत में मतभेदों को पीछे छोड़ा जा सके।

पीएम मोदी की टिप्पणी पर चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा है कि चीन और भारत के बीच सीमा क्षेत्रों में सामान्यत~स्थिरता है। पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए दोनों देश आपसी तालमेल बनाए हुए हैं। भारत के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री की टिप्पणी पर चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा कि वर्तमान में भारत और चीन के बीच सीमा क्षेत्रों की स्थिति सामान्य है। दोनों देश राजनयिक और सैन्य चैनलों के जरिए से आपसी तालमेल बनाए हुए हैं और सकारात्मक रचनात्मक बातचीत की है। दोनों देश जल्द से जल्द एक ऐसे समाधान पर पहुंचने पर सहमत हुए हैं जो दोनों देशों को मंजूर हो।

इससे पहले चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने पीएम मोदी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी थी। निंग ने कहा था कि चीन ने भारत के पीएम की टिप्पणियों पर गौर किया है। हमारा मानना है कि मजबूत और स्थिर चीन-भारत संबंध दोनों पक्षों के साझा हितों के लिए लाभकारी हैं। यह क्षेत्र के साथ शांति और विकास के लिए भी जरूरी है। निंग ने कहा था कि हमें उम्मीद है कि भारत चीन के साथ मिलकर समान दिशा में काम करेगा। आपसी विश्वास बढ़ाएगा और मतभेदों को ठीक से संभालेगा और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत और स्थिर रूप से आगे बढ़ाएगा।

भारत और चीन के बीच सीमा पर साल 2020 से ही तनाव बना हुआ है। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प हो गई थी। इस हिंसक झड़प में भारत के एक कर्नल और 29 जवानों की मौत हो गई थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के संबंधों में भारी गतिरोध जारी है। गतिरोध को सुलझाने के लिए दोनों पक्ष अब तक कोर कमांडर स्तर की 21 दौर की बातचीत कर चुके हैं। चीनी सेना के अनुसार, दोनों पक्ष अब तक चार बिंदुओं, गलवान घाटी, पैंगोंग झील, हॉट स्प्रिंग्स और जियानान दबन से पीछे हटने पर सहमत हुए हैं।

संविधान बदलना चाहते हैं... इसलिए चाहिए 400 पार सीटें

-कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का आरोप

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और भाजपा में वार-पलटवार का दौर चल रहा है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी का हक छीनकर मुस्लिमों को देना चाहती है। इस लेकर कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह पीएम मोदी का ध्रुवीकरण का एजेंडा है। कांग्रेस ने हमेशा कहा है कि हम समाज के कमजोर वर्गों जैसे एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि देश में तेजी से आर्थिक विकास हो और इसका लाभ हर किसी तक पहुंचे। ऐसा नहीं होना चाहिए कि लाभार्थी देश के महज 20-21 अरबपति हों और इसकी कीमत करोड़ों लोगों को चुकानी पड़े। कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि हकीकत उनके 400 पार के नारे के पीछे यह है कि वे संविधान बदलना चाहते हैं... वे आरक्षण के खिलाफ हैं। वे संविधान को हटाना चाहते हैं और आरएसएस हमेशा से आरक्षण के खिलाफ रहा है। उन्होंने कहा कि जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन अब तक नहीं हुई है, क्योंकि जनगणना से एससी और एसटी की आबादी का पता चल जाता। हमारा संविधान जनसंख्या के आधार पर आरक्षण प्रदान करता है। हमारा कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हमारे घोषणापत्र में हमारा एजेंडा स्पष्ट रूप से लिखा हुआ है।

अरविंद केजरीवाल चुनाव तो लड़ सकते हैं, वोट नहीं डाल सकते

- जेल में सजा काट रहे पांच लाख लोग नहीं कर सकेंगे मतदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल लोकसभा चुनाव लड़ेंगे भी या नहीं, ये अभी साफ नहीं हो पाया है, लेकिन इतना तो तय है कि केजरीवाल को जेल में रहते हुए वोट डालने की इजाजत नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे 5 लाख से ज्यादा लोग हैं जो इस लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं कर सकेंगे क्योंकि वे जेल की सजा काट रहे हैं। अब सवाल यह उठाता है कि जेल में रहते हुए जब चुनाव लड़ा जा सकता है, तो मतदान का क्यों नहीं?

गौरतलब है कि डेढ़ दशक पहले बिहार की पटना हाई कोर्ट में एक ऐसा ही मामला आया, जिसमें जेल की सजा काट रहे एक कैदी ने चुनाव लड़ने की मंशा जताई थी। कोर्ट ने इनकार करते हुए कहा कि जब कैदियों को वोट देने का हक नहीं है, तो चुनाव लड़ने की छूट कैसे दे सकते है। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाई कोर्ट के फैसले पर मुहर लगा दी थी, लेकिन बाद में तत्कालीन यूपीए सरकार ने कानून में बदलाव कर दिया था जिसमें जेल में बंद लोगों को चुनाव लड़ने की इजाजत दे दी गई थी। ये मामला 2013 का है, लेकिन जेल में बंद शख्स के पास मतदान करने का अधिकार नहीं है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की 1951 की धारा 62(5) के तहत जेल में बंद कोई भी व्यक्ति वोट नहीं डाल सकता है फिर चाहे वो हिरासत में हो या सजा काट रहा हो। वोट डालना एक कानूनी अधिकार है। दोषी के अलावा जिनपर ट्रायल चल रहा हो, वे भी मतदान नहीं कर सकते हैं। कैदियों को मताधिकार से वंचित करने का इतिहास अंग्रेजी जब्ती अधिनियम 1870 से दिखता है। इस दौरान राजद्रोह या गुंडागर्दी के दोषी लोगों को अयोग्य ठहराते हुए उनसे वोट का अधिकार छीन लिया जाता था। वजह ये कि जो इतने गंभीर अपराध कर रहा है, उसे किसी भी तरह का अधिकार, मतदान करने का अधिकार भी नहीं मिलना चाहिए। यही नियम गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 में भी लागू हो गया। हालांकि 1951 के जन प्रतिनिधित्व अधिनियम ने इसे नए सिरे से देखा और इसमें हर शख्स जो आरोपी या दोषी हो और जेल में हो, उसे मतदान करने का अधिकार नहीं है लेकिन इस प्रावधान में उन्हें छूट मिलती है, जिसमें किसी भी वजह से सरकार को शक हो, इसके बाहर रहने से उपद्रव हो सकता है और इसे ही टालने के लिए उसे नजरबंद कर दिया गया हो। ऐसे लोग वोट डाल सकते हैं। वह पुलिस के घेरे में जाकर वोट डाल सकता है या फिर उसे औपचारिक तौर पर स्थानीय प्रशासन को इत्तिला करनी होगी कि वो फलां समय पर फलां बूथ में जा रहा है ताकि उनपर नजर रखी जा सके। साल 2013 में सेक्शन 62(5) में संशोधन हुआ। इसमें जेल में रहते हुए चुनाव लड़ने की छूट मिल गई। वे चुनाव में उम्मीदवार हो सकते हैं, अपने लोगों के जरिए चुनावी प्रचार भी करवा सकते हैं, लेकिन वोट नहीं डाल सकते। यहां तक कि जेल से जमानत पर बाहर आना भी उन्हें ये सुविधा नहीं देता। आरोपमुक्त होने या सजा पूरी होने के बाद ही वह अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकता है यानी वोट डाल सकता है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय से डीके को राहत, संहिता उल्लंघन का मामला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के आरोपों का सामना कर रहे उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को अंतरिम राहत दी है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित ने डीके के खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर संबंधित अधिकारियों को अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई करने से परहेज करने का निर्देश दिया। मामला 19 अप्रैल को चुनाव आयोग में भाजपा की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने मतदाताओं को ब्लैकमेल करने की कोशिश की है। भाजपा ने दावा किया कि राजराजेश्वरी नगर में एक चुनावी भाषण के दौरान, अपने भाई और लोकसभा उम्मीदवार डीके सुरेश के लिए प्रचार कर शिवकुमार ने मतदाताओं से कांग्रेस को वोट देने के बदले में कावेरी जल आपूर्ति और अधिभोग प्रमाणपत्र देने का वादा किया था।

आपत्ति व्यक्त कर, न्यायालय ने सवाल किया कि क्या शिवकुमार के नाम पर की गई टिप्पणी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 171बी (रिश्वतखोरी) और 171सी (चुनावों पर अनुचित प्रभाव) के तहत अपराध होगी। न्यायाधीश ने मामले पर गहराई से विचार करने की आवश्यकता पर बल देकर जानना चाहा कि क्या डीके के बयान आरोपित धाराओं के मापदंडों पर पूरी तरह खरे उतरते हैं। हालाँकि, कोर्ट ने शिवकुमार के वकील से कहा कि वे अपने मुवक्किल को अपने भाषणों में अधिक सतर्क रहने की सलाह दें।

इसके अतिरिक्त, इसने शिवकुमार को भेजे गए नोटिस का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग द्वारा दिए गए समय के बारे में भी चिंता जाहिर की। शिवकुमार को अंतरिम राहत देते हुए, न्यायालय ने चुनावी भाषणों के गिरते मानकों पर निराशा व्यक्त की और कहा कि गुणवत्ता, सामग्री और प्रस्तुति बेहद कम हो गई है।

शाह का राहुल गांधी से सवाल... क्या देश शरिया से चलेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर भारतीय जनता पार्टी फिर हमलावर दिख रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल से सवाल किया है कि क्या देश शरिया से चलेगा? दरअसल भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का वीडियो शेयर किया है, इस लेकर भाजपा ने दावा किया है कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार गरीब मुसलमानों का होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, कांग्रेस के घोषणा पत्र में कहा गया है कि हम पर्सनल लॉ को आगे बढ़ाएंगे। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि यदि आप पर्सनल लॉ को आगे बढ़ाएंगे तब क्या ये देश अब शरिया के आधार पर चलेगा? किस प्रकार का संविधान आप इस देश में चाहते हैं? भाजपा ने अपने घोषणापत्र में साफ कहा है कि हम यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लाएंगे, सभी पंथ और मजहब के लोगों के लिए एक ही कानून होगा।

उन्होंने कहा, सुरक्षित देश के लिए, समृद्ध देश के लिए, गरीबों के कल्याण के लिए ऐसी पार्टी को वोट दें जो अपने वादों पर खरी उतरे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह मुसलमानों को लाभ पहुंचाने के लिए अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अधिकारों को छीनना चाहती है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह विपक्षी दल का छिपा हुआ एजेंडा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों का है। भाजपा नेता ने कहा कि सिंह ने अप्रैल 2009 में भी इसी तरह की टिप्पणी की थी।

इस शनिवार, जूही चावला 'मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे' की शोभा बढ़ाएंगी

इस शनिवार, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का कॉमेडी शो 'मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे', मस्ती-मज़ाक से भरपूर एपिसोड में जूही चावला का स्वागत करेगा। अनुभवी कॉमेडियन्स अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देंगे और अपने मनोरंजक गैग्स से सभी को दिल खोलकर हंसने के लिए मजबूर कर देंगे।

कई प्रकार के स्किट्स प्रस्तुत करते हुए, कुशल बद्रीके, हेमांगी कवि और कावेरी प्रियम साथ मिलकर प्रसिद्ध %साइको बाइको% सीरीज़ के नए गुदगुदाने वाले नाटक को पेश करेंगे, जहां 'नवरा' और 'बाइको' समुद्र किनारे कुछ रोमांटिक पल बिताने की कोशिश करते हैं, लेकिन कुछ गलतफहमियों और सरप्राइज़ के उतार-चढ़ाव सभी को हंसने के लिए मजबूर कर देते हैं। गौरव मोरे अपने अंदर के शाहरुख खान को दिखाते नज़र आएंगे, जबकि सुगंधा मिश्रा चुलबुली जूही चावला की भूमिका निभाएंगी। गौरव दुबे क्लासिक थ्रिलर 'डर' के एक मस्ती भरे स्पूफ में सनी देओल की भूमिका निभाएंगे।

इसके अलावा, गौरव मोरे फिल्म 'डर' के प्रसिद्ध गाने 'जादू तेरी नज़र' पर परफॉर्मेंस से जूही चावला को सरप्राइज़ देंगे, उन्हें अपने साथ डांस के लिए आमंत्रित करेंगे और उन्हें गुलाब का फूल देंगे।

इस आगामी गैग के बारे में बात करते हुए, कॉमेडियन गौरव मोरे कहते हैं, "हम बहुत खुश हैं कि जूही चावला जी हमारे शो का हिस्सा बनी हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि मेरा एक्ट परफेक्ट हो, मैंने फिल्म %डर% कई बार देखी, ताकि मैं इस किरदार की शैली और भाव को अच्छे से समझ सकूं। जूही चावला जी ने न केवल हमारी परफॉर्मेंस का आनंद लिया, बल्कि %जादू तेरी नज़र% पर डांस करने के लिए मेरे साथ शामिल भी हुईं। मैं इस पल को कभी नहीं भूलूंगा। गौरव और सुगंधा के साथ काम करना धमाकेदार अनुभव था। पर्दे के पीछे की हमारी मस्ती स्क्रीन पर दिखने वाले तालमेल में स्पष्ट होती है। हमारा गैग न केवल एक कल्ट थ्रिलर को हास्यपूर्ण ट्विस्ट देता है, बल्कि 'डर' के शाश्वत आकर्षण को सम्मानित भी करता है।" 'मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे' देखें, इस शनिवार, रात 9:30 बजे, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर!

आदिवासी राज्य छत्तीसगढ़ में भाजपा की तिकड़ी कर रही जोरदार प्रचार

रायपुर (एजेंसी)। लगभग चार माह पहले छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे दमदार प्रदर्शन करके सत्ता में आई भाजपा पूरी कोशिश में हैं कि राज्य की सभी 11 संसदीय सीटों पर जीत हासिल करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस तरह से राज्य में सघन चुनाव प्रचार कर रहे हैं उसका बड़ा असर यहां की राजनीतिक स्थिति पर दिख रहा है। भाजपा ने 2019 में छत्तीसगढ़ में 11 में से 9 सीटों पर जीत हासिल की थी। तब राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी थी। भाजपा को लगता है कि जब विपरीत परिस्थिति में भी 9 सीटों पर जीत हासिल की जा सकती है,तब अनुकूल परिस्थितियां हैं इसलिए 11 सीटों पर जीत का लक्ष्य हासिल करना कोई नामुमकिन बात नहीं है।

आदिवासी बहुल राज्य में भाजपा को उम्मीद है कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाये जाने का प्रभाव यहां के मतदाताओं पर है। भाजपा ने विष्णु देव साय के रूप में राज्य को पहला आदिवासी मुख्यमंत्री भी दिया है। भाजपा इस बात को प्रचारित कर रही है कि अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में ही आदिवासी मामलों के लिए केंद्र में अलग मंत्रालय का गठन किया गया था। भाजपा दावा कर रही है कि आदिवासियों का भला भाजपा से बेहतर कोई नहीं कर सकता।

राज्य की नई भाजपा सरकार 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीद रही है। साय सरकार ने भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में किए गए दो वादों को पूरा करते हुए, धान किसानों को लंबित बोनस भी हस्तांतरित कर दिया है। इसके अलावा महतारी वंदन योजना की दो किश्तों के पैसे भी जारी कर दिये गये हैं। इस सबका मतदाताओं पर गहरा असर दिख रहा है।

वहीं भाजपा सरकार जिस तरह नक्सलियों के खिलाफ बड़ा अभियान चला रही है उसका भी असर मतदाताओं पर दिख रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य सरकार के नक्सल विरोधी कड़े रुख को देखते हुए लोगों को इस बात का विश्वास है कि भाजपा सरकार नक्सलियों के आतंक से पूरी तरह मुक्ति दिला सकती है। इसके अलावा भाजपा की सरकार बनते ही जिस तरह जबरन या प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने के अभियान को झटका लगा है उससे भी लोग बेहद खुश दिखे।

दूसरी ओर, कांग्रेस के वादों पर कोई विश्वास करने को तैयार नहीं है, क्योंकि जिस तरह महादेव एप घोटाले की छाया पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर पड़ी है उससे कांग्रेस की छवि दागदार हुई है। इसकारण कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के दौरान किसानों को उनकी उपज का अधिक मूल्य देने और उनके कर्ज की माफी का जो वादा किया था, उसके बावजूद पार्टी को वोट

नहीं मिले थे और वह सत्ता से बाहर हो गई थी। इसलिए अब कांग्रेस ने अपनी रणनीति बदलते हुए भाजपा पर यह आरोप लगाना शुरू किया है कि वह यदि सत्ता में आई, तब संविधान बदल देगी। कांग्रेस के जो भी नेता यहां प्रचार के लिए आ रहे हैं वह यही दावा कर रहे हैं कि भाजपा आदिवासी संस्कृति को नुकसान पहुँचाने के साथ ही आदिवासियों के अधिकारों में भी कटौती करेगी।

अमेरिका में हिंसक हुआ फलस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन, कई गिरफ्तार

ऑस्टिन। इजरायल-हमास युद्ध के खिलाफ अमेरिका के विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन उग्र हो गया है। इसकी शुरुआत ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय से हुई थी जहां ने दर्जनों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था। कई विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन उग्र हो गए और उन्हे खत्म करने के लिए पुलिस को बुलाना पड़ा। प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़पे हुई हैं। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लॉस एंजिल्स पुलिस ने कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प के बाद पुलिस ने बुधवार रात 93 लोगों को गिरफ्तार किया। दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय ने अपने परिसर को बंद करने की घोषणा की है। बोस्टन के इमर्सन कॉलेज में 108 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। झड़प में चार पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। कैलिफोर्निया स्टेट पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी, हम्बोल्ट में प्रदर्शनकारियों को एक इमारत के अंदर रोक दिया गया है। कुछ यहूदी छात्रों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन यहूदी विरोधी भावना में बदल गया है। हालांकि, कोलंबिया विश्वविद्यालय में बुधवार को तनाव कम होता दिखाई दिया, जब विश्वविद्यालय ने छात्रों के लिए इजरायल के विरोध में बनाए गए शिविर को हटाने की समयसीमा मंगलवार को 48 घंटे के लिए बढ़ा दिया। रोड आइलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी, मिशिगन यूनिवर्सिटी, कैम्ब्रिज में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और हम्बोल्ट में सहित अन्य परिसरों में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में नागरिकों पर इजरायली हमलों पर लगाम लगाने के लिए अमेरिकी सरकार पर दबाव बनाने की मांग की है। कोलंबिया विश्वविद्यालय के छात्रों ने बुधवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन के साथ उस समय धक्का-मुक्की और हूटिंग की जब वह फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन के कारण भयभीत यहूदी छात्रों का समर्थन करने मैनहट्टन परिसर में गए थे।

अमेरिका में पुलिस ने की भारतीय युवक की हत्या

-रूममेट को गाड़ी से टक्कर मारने का आरोप था

टेक्सास। अमेरिका के सैन एंटोनियो में पुलिस ने एक भारतीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना 21 अप्रैल की है, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। मृतक का नाम सचिन साहू बताया गया है, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। सैन एंटोनियो पुलिस के मुताबिक, सचिन ने एक 51 साल की अपनी रूममेट को गाड़ी से टक्कर मार दी थी। टक्कर मारने के बाद वो वहां से भाग गया था। पीड़िता की हालात गंभीर है। इस मामले में पुलिस साहू के खिलाफ जांच कर रही थी। पुलिस ने साहू के खिलाफ जांच शुरू कर दी और गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। 21 अप्रैल को शाम 6-30 बजे पुलिस उसके घर सैन एंटोनियो के चेविओट हाइट्स पहुंची तो साहू वहां से भाग गया। कुछ ही घंटों के बाद साहू के पड़ोसियों ने उसके घर पर मौजूद होने की जानकारी पुलिस को दी। जब पुलिस उसको पकडने के लिए पहुंची तो साहू ने भागने की कोशिश की और अपनी गाड़ी से दो पुलिस अधिकारियों को टक्कर मार दी। उसी समय वहां मौजूद पुलिस अधिकारी टायलर टर्नर ने साहू पर गोली चला दी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान एक पुलिसकर्मी को गंभीर चोट आई, जिसे अस्पताल ले जाया गया और दूसरे अधिकारी का इलाज घटनास्थल पर ही किया गया।

अपने पांचवें कार्यकाल में चीन की पहली विदेश यात्रा पर जाएंगें पुतिन

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा कर बताया कि मई में चीन की यात्रा करने की योजना बनाई है। पुतिन की यात्रा 7 मई को अपना अगला कार्यकाल शुरू करने के बाद राष्ट्रपति के रूप में किसी विदेशी देश की उनकी पहली यात्रा होगी। 71 वर्षीय रूसी नेता ने अपने 24 साल के शासन को बढ़ाते हुए बिना किसी वास्तविक विरोध के एक वोट में अपना पांचवां कार्यकाल हासिल किया। रूसी सांसदों ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि पुतिन का उद्घाटन 7 मई को निर्धारित है। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के कारण रूस के बढ़ते आर्थिक और कूटनीतिक अलगाव ने रुस को चीन पर निर्भर बना दिया है, जो शीत युद्ध के दौरान कम्युनिस्ट गुट के नेतृत्व के लिए उसका पूर्व प्रतिद्वंद्वी था। चीन ने बार-बार कहा है कि वह रूस को हथियार या सैन्य सहायता नहीं दे रहा है, हालांकि मॉस्को के साथ मजबूत आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं। बीजिंग ने रूस के लिए प्रत्यक्ष घातक सैन्य सहायता प्रदान नहीं की है और खुद को यूक्रेन संघर्ष में तटस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश की है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध की निंदा करने से भी इंकार किया है, जो अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। चीन ने एक शांति योजना का भी प्रस्ताव रखा है जिसे यूक्रेन के सहयोगियों ने काफी हद तक खारिज कर दिया है, जिन्होंने जोर देकर कहा था कि शांति की शर्त के रूप में मास्को को पड़ोसी देश से अपनी सेना वापस बुलानी होगी। चीनी सरकार ने भी मास्को के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों की निंदा की है और नाटो और संयुक्त राज्य अमेरिका पर पुतिन के आक्रमण को उकसाने का आरोप लगाया है।

सैन एंटोनियो पुलिस ने भारतीय मूल के व्यक्ति की गोली मारकर हत्या की

सैन एंटोनियो। सैन एंटोनियो में पुलिस ने 42 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना 21 अप्रैल को हुई, जब सचिन साहू नाम के व्यक्ति ने अपने वाहन से दो अधिकारियों पर हमला कर दिया, क्योंकि वे एक गंभीर हमले के मामले में मृतक सचिन को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। व्यक्ति को घटना स्थल पर मृत घोषित किया गया। साहू मूल रूप से यूपी के रहने वाले थे। सैन एंटोनियो पुलिस विभाग ने कहा, प्रारंभिक जांच के अनुसार, 21 अप्रैल को शाम 6.30 बजे से ठीक पहले, अधिकारी सैन एंटोनियो के चेविओट हाइट्स में एक घर में घातक हथियार से गंभीर हमले की रिपोर्ट के लिए पहुंचे। अधिकारियों को एक 51 वर्षीय महिला मिली जिसे जानबूझकर एक वाहन ने टक्कर मार दी थी। जबकि संदिग्ध साहू स्थान से भाग गया, महिला को गंभीर हालत में स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। बाद में, सैन एंटोनियो पुलिस ने साहू के लिए एक गंभीर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इस बीच, एक अन्य अधिकारी को उसकी चोटों के इलाज के लिए एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और दूसरे अधिकारी की चोटों का इलाज घटनास्थल पर ही किया गया। घटना के दौरान कोई और घायल नहीं हुआ। मामले में आगे की जांच जारी थी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि साहू ने अपने वाहन से उस महिला को कुचल दिया था, जो उसकी रूममेट थी। महिला की कई सर्जरी चल रही थी और उसकी हालत गंभीर थी। एक रिपोर्ट में साहू की पूर्व पत्नी लिआ गोल्डस्टीन के हवाले से कहा गया है कि साहू को बाइपोलर डिसऑर्डर का पता चला है।

आईपी सुरक्षा मामले में अमेरिका की निगरानी सूची में भारत

वाशिंगटन। अमेरिका ने आईपी सुरक्षा मामले में भारत को निगरानी सूची में रखने का फैसला लिया है। अमेरिका ने कहा कि भारत बौद्धिक संपदा (आईपी) सुरक्षा के संबंध में दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि ट्रेडमार्क उल्लंघन की जांच के साथ कुछ मामलों को सुलझाने करने में अमेरिका-भारत व्यापार नीति फोरम के तहत प्रगति हुई है, लेकिन कई लंबे समय से चली आ रही कुछ चिंताएं बनी हुई हैं। इनमें ऑनलाइन पायरेसी की उच्च दर शामिल हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने कहा, भारत में पेटेंट का मुद्दा विशेष चिंता का विषय है। पेटेंट आवेदकों को पेटेंट अनुदान प्राप्त करने के लिए लंबी प्रतीक्षा अवधि का सामना करना पड़ता है।

ब्राजील में जमीन को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किये जाने की मांग करते हुए आदिवासी।

फिर मुसीबत में ट्रंप, पोर्ट स्टार को पैसा देने के मामले की सुनवाई शुरु

न्यूयार्क। अमेरिका में चुनाव चल रहे हैं और देश के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबतें भी उन्ही के साथ चल रहीं हैं। पॉर्न स्टार को धन देने के मामले की सुनवाई में शामिल होने के लिए वह न्यूयार्क में हैं। ट्रंप कहा कहना है कि आज एक बड़ा मामला सुनवाई के लिए था, लेकिन न्यायाधीश ने मुझे जाने के लिए छूट नहीं दी।

उनके अनुरोध को न्यूयार्क के राज्य सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जुआन मर्चन ने अस्वीकार कर दिया। वह गुप्त धन मामले की सुनवाई कर रहे हैं। इस बीच, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट वाशिंगटन में इस बात पर बहस सुन रहा है कि राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों के लिए उन्हें अभियोजन से छूट दी जानी चाहिए या नहीं। उन्होंने उस दिन के लिए अपने आपराधिक मुकदमे की सुनवाई से बाहर रहने के लिए अपील की थी, ताकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में शामिल हो सकें, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिली। न्यायाधीश मर्चन ने ट्रंप के वकील टाड ब्लैंच से पिछले हफ्ते कहा था कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के सामने बहस करना बड़ी बात है। मैं निश्चित रूप से इसकी सराहना कर सकता हूं कि आपका मुवक्किल वहां क्यों रहना चाहेगा, लेकिन न्यूयार्क राज्य के सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा भी बड़ी बात है। दोनों ही मामलों से ट्रंप खुद को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वह चुनावी दौड़ में एक बार फिर से मजबूती से सामने हैं, लेकिन देश के सुप्रीम कोर्ट के सामने आए मामले के नतीजे भविष्य के राष्ट्रपतियों पर भी प्रभाव डालेंगे।

पाकिस्तानी झुनझुनवाला की गुहार सुनेंगे शहबाज? भारत से दोस्ती को लेकर कैसे फंसा देश

कराची (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की हालत खराब हो चुकी है और वहां एक ही आवाज लगातार खोज रही है कि हिंदुस्तान से दोस्ती कर लो। हिंदुस्तान से दुश्मनी पालने वाले पाकिस्तान में यह मांग एक बार फिर उठ चुकी है। पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने हिंदुस्तान से दोस्ती की गुहार लगाई। फिर नवाज शरीफ की बेटी और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने हिंदुस्तान की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया। फिर आम पाकिस्तानियों ने चीन से दोस्ती को लेकर शाहबाज सरकार को कोसा और हिंदुस्तान से दोस्ती का दम भरा। अब पाकिस्तान के चर्चित बिजनेसमैन और स्टॉक मार्केट के दिक्कज खिलाड़ी आर एफ हबीब ने शाहबाज शरीफ को सबके सामने भारत के साथ रिश्ते बेहतर करने की नसीहत दे डाली। पाकिस्तान यानी पाकिस्तान

को जब से हिंदुस्तान ने आतंकवाद पर बेपर्दा किया है तब से वह पूरी दुनिया में अलग-अलग पड़ चुका है। वह कंगाल हो चुका है और पूरी दुनिया में उसकी कोई औकात नहीं है। शरीफ व्यापारिक नेताओं के साथ बैठक की। उनका देश नए, दीर्घकालिक और बड़े आईएमएफ ऋण की मांग कर रहा है। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के अनुसार, इस्लामाबाद जुलाई की शुरुआत तक नए कार्यक्रम पर कर्मचारी स्तर का समझौता कर सकता है। प्रधानमंत्री के संक्षिप्त संबोधन के बाद, सदन को प्रश्न-उत्तर सत्र के लिए खोला गया, जहां कारोबारी नेताओं ने सरकार के हालिया कदमों की सराहना की, लेकिन और मांगें कीं। उन्होंने इच्छित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आर्थिक उपायों के प्रस्ताव भी साझा किए और राजनीतिक अस्थिरता के बारे में चिंता व्यक्त की।

शीर्ष पाकिस्तानी उद्यमी आरिफ हबीब ने कहा कार्यभार संभालने के बाद आपने कुछ हाथ मिलाए हैं, जिनके अच्छे परिणाम आए हैं और आईएमएफ सौदे पर प्रगति उनमें से एक है। मेरा सुझाव है कि आप कुछ और हाथ मिलाएँ। उनमें से एक भारत के साथ व्यापार को लेकर है, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने राजनीतिक स्थिरता के उद्देश्य से पूछे गए सवालों का सीधे तौर पर जवाब देने से परहेज किया, लेकिन दावा किया कि उन्होंने आर्थिक विकास के लिए उनके प्रस्तावों को नोट कर लिया है और उन्हें आश्वासन दिया है कि वह जल्द ही देश भर के व्यापारियों को इस्लामाबाद में आमंत्रित करेंगे।

श्रीलंकाई ने 24 और मछुआरों को भारत वापस भेज दिया, उच्चायोग ने दी जानकारी

श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पकड़े गए चौबीस भारतीय मछुआरों को भारत वापस भेज दिया गया है। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने कहा कि सभी मछुआरे कोलंबो से सवार हुए और अपने घर जा रहे थे। हालिया स्वदेश वापसी अकेले अप्रैल में श्रीलंका से भारतीय मछुआरों की तीसरी रिहाई है। इससे पहले 24 अप्रैल को श्रीलंका ने 5 मछुआरों को रिहा किया था और उन्हें वापस घर भेज दिया गया था। इससे पहले 3 अप्रैल को 19 अन्य भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई अधिकारियों ने वापस भारत भेज दिया था। मछुआरों द्वारा एक-दूसरे के जलक्षेत्र में घुसपैठ करने का बार-बार आने वाला मुद्दा दोनों पड़ोसी देशों के बीच विवाद का मुद्दा रहा है।

ईरान के गृह मंत्री पर मंडरा रहा था खतरा, श्रीलंका आते ही हो जाते गिरफ्तार, पाकिस्तान से ही डेलीगेशन छोड़कर भागे

(एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति जब पाकिस्तान के दौरे पर थे तो उनके साथ पूरी टीम थी। टीम में ईरान के गृह मंत्री भी थे। लेकिन जब ईरान के राष्ट्रपति पाकिस्तान का दौरा खत्म करके श्रीलंका पहुंचे तो वहां उनके गृह मंत्री नजर नहीं आए। जिसके बाद चर्चाएं तेज हो गई कि आखिर ईरान के गृह मंत्री अचानक पाकिस्तान से कहां गायब हो गए। इसका जवाब सामने आ गया है। वो श्रीलंका गए ही नहीं बल्कि पाकिस्तान से ही वापस लौट गए। उनके कोलंबों नहीं जाने को लेकर चर्चा ये है कि उनकी गिरफ्तारी श्रीलंका में हो सकती थी। इसलिए उन्होंने पाकिस्तान से ही वापस ईरान लौटने का फैसला किया।

अहमद वाहिदी पर अर्जेंटीना ने ब्यूनस आयर्स में एक यहूदी सामुदायिक केंद्र पर 1994 के हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया था, जिसमें 85 लोग मारे गए थे। इंटरपोल ने एक रेड नोटिस जारी कर दुनिया भर की पुलिस एजेंसियों से वाहिदी को हिरासत में लेने का अनुरोध किया था और अर्जेंटीना ने पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों से उसे गिरफ्तार करने के लिए कहा था। ऐसे में अब ईरानी मंत्री को रायसी के साथ नहीं देखा गया तो इसकी चर्चा तेज हो गई। रईसी ईरान समर्थित बिजली और सिंचाई परियोजना का उद्घाटन करने के लिए श्रीलंका पहुंचे थे।

ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने बताया कि वाहिदी ईरान वापस आ गए, जहां उन्होंने एक नए प्रांतीय गवर्नर को शामिल करने के लिए एक समारोह में भाग लिया। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने एएफपी को बताया कि आंतरिक मंत्री को ईरानी प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया था। 1994 के हमले का दावा या समाधान कभी नहीं किया गया, लेकिन अर्जेंटीना और इज़राइल को लंबे समय से संदेह है कि ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह ने ईरान के अनुरोध पर इसे अंजाम दिया है। अभियोजकों ने शीर्ष ईरानी अधिकारियों पर हमले का आदेश देने का आरोप लगाया है, हालांकि तेहरान ने किसी भी संलिप्तता से इनकार किया है।

इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन करने पर भारतीय छात्रा अमेरिका में गिरफ्तार

- कैंपस में आने पर रोक, हॉस्टल में रहने की परमिशन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में इजरायल विरोधी प्रदर्शन करने वाली भारतीय मूल की छात्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह छात्रा अमेरिका की प्रिंसटन यूनिवर्सिटी की छात्रा है। छात्रा तमिलनाडु की रहने वाली है जिसका नाम अचिंत्य शिवलिंगन है और उसके साथ ही हसन सैयद नाम के एक और युवक को गिरफ्तार किया है। ये लोग कई लोगों के साथ गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमलों का विरोध कर रहे थे।

यूनिवर्सिटी की प्रवक्ता जेनिफर मोरिल ने बताया कि दोनों छात्रों के कैंपस में आने पर रोक लगा दी गई है। हालांकि इन लोगों को यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में रहने की परमिशन होगी। तमिलनाडु की रहने वाली अचिंत्य शिवलिंगन मास्टर्स इन पब्लिक अफेयर्स की डिग्री ले रही है। वहीं सैयद हसन प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि छात्रों को कई बार चेतावनी दी जा चुकी थी कि वे एरिया खाली कर दें और राजनीतिक आंदोलन न करें। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी ये लोग नहीं माने तो गिरफ्तारी की गई। अब अचिंत्य और हसन की गिरफ्तारी के बाद दूसरे छात्रों ने आंदोलन बंद कर दिया है और वहां से टेंट भी हटा लिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रदर्शन में छात्र, फैकल्टी मेंबर और अन्य बाहरी लोग भी शामिल थे। बता दें कि अमेरिका के कई कॉलेज और विश्वविद्यालयों में इजरायल के खिलाफ आंदोलन किए गए हैं। इसे लेकर इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भी अमेरिका की आलोचना की और कहा कि आपके यहां हमारी बर्बादी के नारे लग रहे हैं। इसको लेकर अमेरिकी प्रशासन ने इजराइल के खिलाफ हो रहे आंदोलन को बंद करने की कार्यवाही की।

चीन ने मालदीव के समुद्री क्षेत्र में फिर उतारा अपना जासूसी जहाज

मुइज्जू सरकार ने नहीं बताई वजह

दुबई (एजेंसी)। माले (ईएमएस)। मालदीव में चीन समर्थक मुइज्जू की पार्टी की जीत के बाद फिर से बीजिंग और माले के बीच नजदीकियां बढ़ती दिख रही हैं। चीन ने दो महीने बाद 4,500 टन वजनी और उच्च तकनीक से लेस रिसर्च जहाज को मालदीव के समुद्री क्षेत्र में उतारा है। अब तक मुइज्जू सरकार द्वारा इस बारे में खुलासा नहीं किया गया है कि इस जहाज के वापस लौटने का कारण क्या है। लेकिन, इस बात की पुष्टि की है कि यात्रा से पहले जहाज को माले में खड़ा करने की अनुमति दी गई थी।

मालदीव के समुद्री क्षेत्र में वापस लौटा चीनी जहाज

चीन द्वारा यह जहाज ऐसे समय में मालदीव के समुद्री क्षेत्र में उतारा गया है, जब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने आम चुनाव में प्रचंड जीत हासिल की। बता दें कि मुइज्जू द्वारा बार बार चीन का समर्थन किया जाता है। चीन का जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) को पार कर वापस लौट आया है और अब मालदीव क्षेत्र के अंदर या उसके पास सक्रिय है। मालदीव की विशेष आर्थिक सीमा के पास एक महीना बिताने के बाद यह जहाज पहली बार 22 फरवरी को पहुंचा था। यहां लगभग छह दिन बिताने के बाद जहाज ईईजेड के पार चला गया था। उस दौरान भारत और अमेरिका ने इस पर आपत्ति भी जताई थी।

फरवरी में भी किया था मालदीव का दौरा

फरवरी में ही मालदीव के विदेश मंत्री ने कहा था कि चीन के जहाज द्वारा अपने केबिन क्रू के रोटेशन के लिए मालदीव का दौरा किया गया था। यह भी दावा किया गया था कि इस दौरान जहाज द्वारा किसी भी तरह की रिसर्च नहीं की गई। मालदीव की भारत की दूरी बमुश्किल 70 समुद्री मील है। हिंद महासागर क्षेत्र में वाणिज्यिक समुद्री मार्गों का केंद्र होने की वजह से इस जगह का अपना अलग ही सामरिक महत्व है।

दो देशों के बीच सुरक्षा सहयोग से तीसरे को कोई नुकसान न हो

- फिलीपींस को मिली भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल से बौखलाया चीन

बीजिंग (एजेंसी)। फिलीपींस को भारत द्वारा दी गई ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की डिलीवरी के बाद चीन आगबबूला हो गया है। इसकी वजह है कि फिलीपींस को ऐसे समय भारत से क्रूज मिसाइलों डिलीवरी मिली है, जब उसका बीजिंग से साउथ चाइना सी में तनाव व्याप्त है। फिलीपींस को भारत द्वारा दी गई ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की पहली खेप मिलने के बाद चीनी सेना ने एक बयान जारी किया है, जिसमें चीनी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग में इस बात का ख्याल रखा जाए कि इससे किसी तीसरे देश के हितों को नुकसान नहीं पहुंचे।

दक्षिण चीन सागर में दूसरे थॉमस शोल और स्कारबोरो शोल को लेकर चीन और फिलीपींस के बीच तनाव है। फिलीपींस ने चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने और अपनी रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भारत से ब्रह्मोस मिसाइलों का अधिग्रहण किया है, ये उसकी अपनी रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाने की तरफ एक अहम रणनीतिक कदम है। दूसरी ओर भारत भी चीन के विस्तारवादी रवैये के चलते फिलीपींस के साथ रक्षा संबंधों को बढ़ावा दे रहा है। ऐसे में चीन की घबराहट बढ़ती नजर आ रही है।

चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन हमेशा मानता है कि दो देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग से किसी तीसरे देश के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए साथ ही क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को खतरा नहीं पहुंचना चाहिए। चीनी प्रवक्ता ने दक्षिण चीन सागर विवाद में चीन और फिलीपींस की बढ़ती दुश्मनी के पिछले दिनों फिलीपींस में जरिए दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें तैनात करने के लिए अमेरिका की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि एशिया-प्रशांत में अमेरिका की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती का हम विरोध करते हैं। अमेरिका का यह कदम क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा को गंभीर खतरे में डालते हुए क्षेत्रीय शांति को भंग करना चाहता है।

संपादकीय

सेहत सुरक्षा-कवच

भारत जैसे देश में जहां सेवानिवृत्त लोगों व बुजुर्गों के लिये पश्चिमी देशों की तरह चिकित्सा सुविधाओं का कवच नहीं है, वहां लोगों की अंतिम उम्मीद खुद खरीदी गई बीमा पॉलिसियों पर टिक जाती है। लेकिन बीमा कंपनियों के निरंकुश व्यवहार और उपचार के बाद बिलों के भुगतान में किंतु-परंतु के चलते वृद्धों को यह भरोसा नहीं होता कि बीमा कंपनियां उनके उपचार का पूरा पैसा उपलब्ध करा देंगी। बहरहाल, स्वास्थ्य सेवा तंत्र को अधिक समावेशी और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले व्यक्तियों के लिये 65 वर्ष की आयु सीमा को हटा दिया है। हाल ही में एक अधिसूचना में बीमा नियामक ने बीमाकर्ताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि वे सभी आयु समूहों के लिये उपयोगी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पेश करें। अकसर देखा गया है कि बीमा कंपनियां व एजेंट अधिक उम्र वाले लोगों को तब जीवन रक्षक पॉलिसी देने से मना कर देते हैं जब उनको इसकी जरूरत होती है। इतनी ही नहीं कंपनी के हित में बनायी गई पुरानी नीतियों के आधार पर कई दावों को खारिज कर दिया जाता है। बीमा नियामक द्वारा बीमा कंपनियों को पहले से निर्धारित स्थितियों के आधार पर दावों को खारिज करने से रोका गया है। बीमा नियामक ने कहा है कि बीमाकर्ता अब कैंसर, हृदय रोग व गुर्दे के काम न करने पर, एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से इनकार नहीं कर सकते। निश्चित रूप से यह तार्किक स्थिति है कि सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सिमटने, शरीर द्वारा साथ न देने व अपनों का साथ छूटने से लाचार व्यक्ति को उपचार के लिये अब चिकित्सा बीमा कवच मिल सकेगा। निस्संदेह, इस तरह के कई गंभीर रोगों से ग्रस्त लोग चिकित्सा बीमा न मिल पाने की स्थिति में गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के दौरान कई परिवारों के गरीबी के दुश्चक्र में फंसने के मामले सामने आए हैं। निश्चित रूप से बीमा नियामक की यह पहल वक्त की जरूरत के हिसाब से एक कल्याणकारी व्यवस्था की तरफ बढ़ा कदम है। यदि बुजुर्गों को बीमा सुविधा मिलने लगेगी तो वे अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के झटकों को झेलने के लिये पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकते हैं। निश्चित रूप से यह सुविधा उस देश के लिये बदलावकारी हो सकती है जहां कि युवा आबादी बुजुर्ग आबादी की दिशा में बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार वर्ष 2050 तक वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश की कुल आबादी की बीस प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है। ऐसे में बेहतर जीवन प्रत्याशा हेतु और महिलाओं की सेहत हेतु स्वास्थ्य बीमा का खासा प्रभाव हो सकता है। लेकिन इस बात में दो राय नहीं कि बीमा उत्पादों को उपभोक्ता-अनुकूल बनाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, आम उपभोक्ता शब्दजाल और बीमा पॉलिसियों की जटिलताओं के कारण बीमा उत्पादों को खरीदने से संकोच करते हैं। कई अस्पष्टताएं व किंतु-परंतु पॉलिसीधारक के मन में संदेह और अनिश्चितता उत्पन्न करते हैं। वहीं दूसरी तरफ लाभों व जोखिमों के बारे में गलत सूचना या अपर्याप्त जानकारी उपभोक्ताओं के शोषण व परेशानी का सबब बनती है। इसलिए जरूरी है कि ग्राहकों का विश्वास हासिल करने के लिये पारदर्शी व परेशानी मुक्त दावा निपटान की व्यवस्था हो। इसके साथ ही बीमा भुगतान से जुड़ी धांधलियों पर अंकुश लगाने के लिए मजबूत तंत्र बनाया जाए।

आज का राशीफल

मेष	कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृषभ	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।
मिथुन	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।
कर्क	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।
सिंह	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कन्या	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
तुला	व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।
वृश्चिक	आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
धनु	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
मकर	जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।
कुम्भ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।
मीन	व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

चुनाव में सभी दलों की निगाहें युवाओं पर टिकी

(लेखक-संजय गोस्वामी)

अगर लोकतंत्र के महायज्ञ की बात करें तो समारोह की घोषणा 28 मार्च क़ो माननीय मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा शुरू हो गया मुख्य चुनाव आयुक्त ने 2024 के लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की, जो 19 अप्रैल से 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सात चरणों में होगा। उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में सभी सात तारीखों पर मतदान होगा, जबकि जम्मू और कश्मीर में पांच चरणों में मतदान होगा, सात जिलों में मतदान की प्रक्रिया 19 अप्रैल क़ो खत्म हो गई और 1 जून तक सभी सात जिलों में मतदान पूरा हो जाएगा। पूरे देश में वोटों की गिनती 4 जून को होगी। 4 जून दोपहर तक नई सरकार की तस्वीर लगभग साफ हो जाएगी। सत्ता की चाभी विशेषकर महत्वाकांक्षी युवा मतदाताओं के हाथ में लगती दिख रही है। सभी प्रमुख राजनीतिक दल युवाओं को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, युवा मतदाताओं की मुखरता नतीजों में झलक रही है। लोकसभा के पिछले दो चुनावों में वह युवा मतदाताओं यानी श्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के साथ रहे हैं। हालाँकि, जिन देशों में क्षेत्रीय दल और सरकारें सत्ता में रही हैं, उनमें युवाओं ने क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता दी है। इसका कारण यह नहीं है कि युवा भाजपा के समान ही हैं, बल्कि युवा, राष्ट्रवाद और राजनीतिक दलों का स्तर भी अलग-अलग स्तर पर देखा गया है। युवा और महिला मतदाताओं ने वोट देने की पहल की है और इसमें कोई संदेह नहीं है, 2009 और 2014 के चुनावों में महिलाएं और युवा भाजपा के लिए मजबूत मतदाता पाए गए हैं। हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे जटिल लोकतंत्र है। मतदाताओं की बहुसंख्यक आबादी, विविधताएं और भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियां बेहद गंभीर हैं, खासकर चुनाव आयोग और चुनाव आयोग के लिए। लेकिन हमें गर्व है कि हमारा चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली दुनिया के देशों में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। दुनिया, उसके देश और हमारी सरकार व चाहतों पर नज़र रहती है। पहले चुनावों ने देश में पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है और दुनिया भर के लोग हमारे चुनावों और मतदान के साथ-साथ मतगणना में भी रुचि रखते हैं। वे देखने और समझने आते हैं। पूरी दुनिया, देशों की नज़र हमारे सपनों पर रहती है। यहां खास बात यह है कि चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और मतदाता अनुकूल बनाने के लिए लगातार प्रयास किये हैं। प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यवस्था भी होनी चाहिए, इसलिए प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा बंद व्यवस्था की आलोचना की गई है। मतदाता मतदान आसान, सुलभ हो गया है और राजनीतिक दलों या अन्य बाहरी प्रभावों पर मतदाताओं की निर्भरता समाप्त हो गई है। जबकि दुनिया के अन्य देशों में लोकतंत्र समान है, हमारे इंडिया में कुल मतदाताओं की तुलना में 18 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के मतदाता अधिक हैं। इसके अलावा 26 से 35 वर्ष तक के मतदाता भी युवा और युवा वर्ग की श्रेणी में आते हैं। हमारे देश में विश्व के सबसे अधिक मतदाता संख्या वाले देशों की कुल संख्या से भी अधिक मतदाता हैं। इस साल 18वीं विधानसभा के लिए होने वाले मतदान में 98.6 फीसदी मतदाता हिस्सा लेंगे, जबकि यूरोपीय संघ में 40 फीसदी, इंडोनेशिया में 20.4 फीसदी, अमेरिका में 16 फीसदी और पाकिस्तान में 12.8 फीसदी मतदाता होंगे। वह एक बिगड़ैल वोटर हैं। जो धर्म के नाम पर चुनाव का नतीजा तय करती है खैर, यह अलग बात थी, लेकिन लोकसभा में पहले दो मुकाबलों के नतीजों से यह साफ हो गया कि युवाओं ने जिस पर भरोसा जताया, वही सरवेरा बन गया। दिलचस्प बात यह है कि युवाओं और महिलाओं में यह विश्वास ही नई सरकार की कुंजी है, खासकर भारत सरकार को मजबूत करने में युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी। रहा है। चुनाव आयोग द्वारा जारी नतीजों के मुताबिक, 18वीं लोकसभा के चुनाव में 543 सीटों के लिए 96.8ब्र पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें से 82 लाख नए पंजीकृत मतदाता हैं, 47.15 लाख महिला मतदाता हैं और 49.7 नए पंजीकृत मतदाता हैं। जहां 17वीं लोकसभा चुनाव में लगभग 1.5 प्रतिशत नए मतदाता या पहली बार मतदाता थे, वहीं 18वीं लोकसभा चुनाव में 1.82 प्रतिशत नए मतदाता या पहली बार मतदाता थे। वे क्या उपयोग करेंगे? दूसरे, पिछले लोकसभा चुनाव में युवाओं को दो श्रेणियों यानी 18 से 25 साल और 26 से 35 साल में बांटकर वोटिंग प्रतिशत का आकलन और विश्लेषण किया गया था। बात यह है कि युवाओं में, समाज के दोनों वर्गों में भाजपा और कांग्रेस की तुलना में मतदान का अंतर बहुत अधिक था। 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 से 25 साल के 44 फीसदी युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को वोट दिया, जबकि 26 से 35 साल के 46 फीसदी युवाओं ने बीजेपी पर भरोसा जताया। दिलचस्प बात यह है कि दोनों आयु वर्ग में 26-26 फीसदी मतदाताओं ने ब्रिटिश प्रेस पर भरोसा जताया, जबकि 28 से 30 फीसदी युवाओं ने दूसरी पार्टियों पर भरोसा जताया। लेकिन अलगयुवा युवाओं के बीच कांग्रेस और बीजेपी के बीच विश्वास को लेकर कोई बड़ी बात नहीं है और यहां बताया गया है कि वे बीजेपी और नरेंद्र मोदी को क्यों पसंद करते हैं? क्योंकि वो मजबूत चेहरा के रूप में श्री नरेंद्र मोदीजी और उप्र के मुख्य मंत्री योगीजी उभरे हैं। 2019 में वोट बंटवारे से यह भी स्पष्ट हो गया कि विपक्षी दलों में बिना पेंदी के लोटा जैसा है और सभी पार्टियों के मन में प्रधानमंत्री का सपना है । चाहे युवा हों, महिलाएं हों या नए मतदाता हों, तीनों ही श्रेणियों में बीजेपी को कांग्रेस के मुकाबले बहुत ज्यादा समर्थन मिला है।क्योंकि कांग्रेस परिवारवाद से ऊपर नहीं उठ रही है और जिस तरह श्री राहुल गाँधी की भाषा पब्लिक के सामने आई है वो नहीं चाहती है देश और भी संकट में जाए इससे यह स्पष्ट होता है कि 2024 का चुनाव युवाओ और महिलाओ के कारण दिशा तय करेंगी इस शताब्दी के पूर्वार्ध में अनुमानित जनसंख्या वृद्धि चुनौतीपूर्ण है। अनुमान के आधार पर, मध्य शताब्दी तक 9 से 10 अरब लोग होंगे। वर्तमान जनसंख्या केवल 7 अरब से कम है, जिसका अर्थ है कि इस सदी की शुरुआत से मध्य तक लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कोई विशेष मॉडलों की सापेक्ष सटीकता पर बहस कर सकता है, लेकिन वे सभी इस बात से सहमत हैं कि आने वाले दशकों में खिलाने के लिए कई और अधिक मुंह होंगे। आईटी ने मानव प्रयास के कई अन्य पहलुओं को बदल दिया है और व्यापक सामाजिक आवश्यकताओं का जवाब देने के लिए सिस्टम बनाने में मदद की है। दरअसल, परिवहन, संचार, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रणालियाँ बुनियादी कार्यों को करने के लिए भी पूरी तरह से आईटी पर निर्भर हैं। हालाँकि, सूचना और इसके स्वचालित तकनीकी अवतार ने कृषि को समान स्तर पर प्रभावित नहीं किया है। कृषि का महत्व कृषि एक प्रमुख क्षेत्र है जो आधुनिक मनुष्य के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। पौधे खाद्य श्रृंखला में उत्पादक हैं, और उनके बिना, जीवन चक्र संभव नहीं होगा। कृषि उपज, हालांकि अन्य खाद्य स्रोतों की तुलना में अच्छा है या खराब ये किसान आंदोलन से नहीं किसानों के वोट तय करेंगे किसान अपने फसलों का उपयोग कई खाद्य स्रोतों को स्वयं या उप-उत्पादों जैसे ब्रेड, पाउडर, अन्य वस्तुओं में कार्बनिक योजक आदि के माध्यम से उत्पादित करने के लिए किया जाता है। कृषि से प्राप्त उपज एक देश से दूसरे देश में व्यापार को बढ़ाती है, किसानों के लिए आय लाती है, अन्यथा बेकार पड़ी भूमि का उत्पादक उपयोग करती है, और मेज पर भोजन लाती है। यह हर किसी के दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालांकि इसे प्रत्यक्ष कारक के रूप में नहीं देखा जा सकता है क्योंकि उपज उन सभी के हाथों तक पहुंचने से पहले एक लंबा रास्ता तय करती है जो इससे लाभान्वित होते हैं। भारतीय कृषि भारत की जीडीपी में 18.6 प्रतिशत का योगदान देती है और लगभग 59 प्रतिशत भारतीय कृषि क्षेत्र से अपनी आजीविका प्राप्त करते हैं। समाज के लिए इसके महत्व के कारण, इसे समय के साथ विकसित होना चाहिए और आधुनिक लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए समायोजित होना चाहिए। कृषि प्रगति को बेहतर बनाने में मदद के लिए आईटी को अपनाने और उसका उपयोग करने से, इन क्षेत्रों के मिलन से सभी को लाभ होता है। एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में हमारे राज्य ने पिछले पांच वर्षों में चौथी बार प्रतिष्ठित कृषि कर्मण पुरस्कार जीता है। यह किसानों और अन्य हितधारकों के लिए प्रौद्योगिकियों की मदद से अधिक रुचि लेने का उदाहरण स्थापित करता है। ऐसे में किसी भी राजनीतिक दल को युवाओं और महिलाओं को अपने गुस्से से रुलाना होगा। उन एजेंडों को चुनाव घोषणापत्रों में इस तरह रखना होगा कि युवा मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके। बीजेपी जहां 370 और 400 की बात कर रही है, वहीं पश्चिम बंगाल, वेस्ट व साउथ में एक-दूसरे से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। वह बीजेपी को सत्ता से बाहर करने का ही लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ सालों से सत्ताधारी पार्टियां ने जनाधार खोकर फिर बापसी भी की है जहाँ उन्होंने कर्नाटका और हिमाचल खोया वहीँ हार से सबक लेकर राजस्थान, मप्र, और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की है हाशिए पर जा रही हैं, ऐसे में बीजेपी या नरेंद्र मोदी का उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाना कोई कोरी कल्पना नहीं लगती। है। अब युवावस्था और परिपक्वता पर संदेह करना बेमानी होगा। इसलिए अब युवा क्रांतिकारियों के जाल में नहीं फंसने वाले हैं, ऐसे में कोई ठोस रणनीति ही युवाओं को प्रभावित कर उनका सर्वेक्षण कर सकेगी। इसलिए, प्रिय युवाओं, कृपया समझ लें कि वे आगामी लोकसभा की तस्वीर बनाएंगे और 18वीं लोकसभा की सत्ता पूरी तरह से युवाओं के हाथ में है और युवा ही अपने दम पर सत्ता की सीढ़ियां पार करते हैं।

विरासत टैक्स एवं निजी सम्पत्ति सर्वे पर संकट में घिरी कांग्रेस

(लेखक - ललित गर्ग)

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जनता के बीच जिस तरह के मुद्दों को लेकर चर्चा में हैं, उनमें देश विकास से अधिक मुक्त की रेवड़िया बांटने या अतिश्योक्तिपूर्ण सुविधा देने की बातें हैं तो 'विरासत टैक्स' के नाम पर जनता की गाढ़ी कमाई को हड़पने के सुझाव है। ऐसी विरोधीभासी सोच एवं योजनाएं कांग्रेस की अपरिपक्व एवं स्वार्थप्रेरित राजनीति को ही उजागर करती है। इंडिया ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राहुल गांधी के विश्वस्त सलाहकार सैम पित्रोदा ने चुनावी समर में अपने ताजा बयान में विरासत टैक्स की वकालत की है। उन्होंने अमेरिका में लागू इस टैक्स की पैरवी करते हुए भारत के लिये उपयोगी बताया। सैम ने अपने बयान पर विवाद बढ़ता देख सफाई दी है, तो कांग्रेस ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। लेकिन राजनीति की इन कुचालों एवं ऐसे बयानों में कांग्रेस का इरादा जनता की मेहनत की कमाई की संगठित लूट और वैध लूट ही नजर आता है। सैम पित्रोदा के बयान में कांग्रेस की सोच एवं संकल्प ही नहीं दिखा बल्कि कांग्रेस की भावी योजनाओं की परतें भी खुली है। भले ही इस बयान ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हो, लेकिन जनता को मूर्ख समझ हर बार हंगामा खड़ा करना कांग्रेस की नीति एवं नियत रही है। सैम ऐसे ही विवादास्पद बयानों से पूर्व में भी चर्चा में रहे हैं। अमेरिका में विरासत टैक्स जैसी अनेक स्थितियां एवं कानून हैं जो भारत में नहीं है क्योंकि हर देश की अपनी स्थितियां होती है। सैम के इस बयान ने इसलिए तूल पकड़ लिया, क्योंकि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में लोगों की संपत्ति के सर्वे का वादा किया है। इसकी व्याख्या भाजपा पहले से ही इस रूप में कर रही है कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का आकलन करके संपन्न-सक्षम लोगों की संपदा का एक हिस्सा लेने का इरादा रखती है। चूंकि सैम पित्रोदा का कथन कुछ इसी ओर संकेत करता दिख रहा था, इसलिए भाजपा ने नए सिरे से उनके बयान को मुद्दा बना दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो कहा जब तक आप जीवित रहेंगे, तब तक कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी और जब जीवित नहीं रहेंगे, तब आप पर विरासत का बोझ लाद देगी।' कांग्रेस की लूट जिन्दगी के साथ भी और जिन्दगी के बाद भी कह कर मोदी ने कांग्रेस को निशाने पर लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी यह कह दिया कि यदि कांग्रेस वैसा कुछ करने का नहीं सोच रही है, जैसा सैम पित्रोदा कह रहे हैं तो वह अपने घोषणा पत्र से संपत्ति के सर्वेक्षण वाली बात हटाए।' निश्चित ही कांग्रेस की संपत्ति के सर्वेक्षण की बात में गहरे अर्थ, संदेह एवं शंकाएं निहित हैं। राजननेताओं के बयानों पर राजनीति होना लोकतंत्र का एक हिस्सा है, लेकिन जनता के हितों पर आघात करना दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकतन्त्र में सतत् रूप से अमीर-गरीब का विमर्श चलता रहता है, गरीबों के हित की बात करके अधिसंख्य मतदाताओं को लुभाना राजनीतिक चतुराई है, लेकिन जनता को बांटना एवं अलग-अलग खेमों में खड़ा करना, लोकतंत्र को कमजोर करता है। मगर भारत का मतदाता अब इतना सुविज्ञ एवं समझदार हैं कि वे राजनेताओं की मंशा को समझकर उस समय आगे बढ़कर नेतृत्व खुद संभाल लेते हैं जब नेतागण अपना पथ भूल जाते हैं। भारत के चुनावों का इतिहास इसका गवाह रहा है। इसलिए राजनैतिक विमर्श चाहे जितना गर्त में चला जाये मगर मतदाता की सूझबूझ, जागरूकता एवं विवेक कभी मंद नहीं पड़ती।

भले ही सैम पित्रोदा अमेरिका का उदाहरण देकर उस पर भारत में बहस की जरूरत जता रहे थे, लेकिन उन्हें गलत समय ऐसा उदाहरण नहीं देना चाहिए था, जो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह भारत की परिस्थितियों के लिये सही न हो और जिसके विवाद का विषय बनने की भरी-पूरी संभावनाएं हो। यह तो कांग्रेस ही जाने कि वह संपत्ति के सर्वे के जरिये क्या हासिल करना चाहती है, लेकिन इससे इन्कार नहीं कि देश में आर्थिक असमानता कम करने की आवश्यकता है। इसके बाद भी इस आवश्यकता की पूर्ति न तो वामपंथी सोच वाले तौर-तरीकों से की जा सकती है और न ही उन उपायों से, जो समाज में विभाजन पैदा करें। जो भी निर्धन-वंचित हैं या सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, उनके उत्थान की अतिरिक्त चिंता की जानी चाहिए, लेकिन बिना उनका जाति, मजहब देखे, बिना विभाजन की राजनीति को किये। सैम पित्रोदा, राजनीति की दुनिया में यह नाम कोई नया नहीं है, कांग्रेस के शासन में तकनीकी एवं आधुनिक विकास के वे पुरोध रहे हैं। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के सलाहकार रह चुके पित्रोदा इस समय राहुल के खास लोगों में से एक हैं। पित्रोदा अपने काम से कम अपने बयानों के चलते ज्यादा चर्चे में रहते हैं। उनके बयान अक्सर कांग्रेस के लिए भी सरदर्द बनते रहे हैं। पित्रोदा के अनेक बयान पहले भी विवाद एवं कांग्रेस के सिरदर्द की वजह बन चुके हैं। साल 2019 में ही उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि मिडिल क्लास को स्वार्थी नहीं होना चाहिए। उन्हें अधिक से अधिक टैक्स देने के लिए तैयार रहना चाहिए। मध्यमवर्गीय परिवार को रोजगार और अधिक अवसर मिलेंगे। इस बयान ने भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ाई थीं और पार्टी को डैमेज कंट्रोल करना पड़ा था। पित्रोदा यहीं नहीं रुके, उन्होंने 2019 के ही पुलवामा हमले पर कहा था कि ऐसे हमले तो होते रहते हैं, मुंबई में भी हमला हुआ था। निश्चित ही कांग्रेस के शासन में ऐसे हमले एवं साम्प्रदायिक दंगे होते ही रहते थे। उन्होंने बालाकोट एयरस्ट्राइक ऑपरेशन पर सबूत मांगे थे। सैम पित्रोदा के बयान एवं कांग्रेस के घोषणा पत्र के निजी सम्पत्ति सर्वे की बात में अवश्य ही रिश्ता है, जिसने पूरे देश के सामने कांग्रेस का मकसद स्पष्ट कर दिया है कि निजी संपत्ति का सर्वे कर निजी संपत्ति को सरकारी खजाने में डालकर वह इस धन को अपने वोट बैंक में बांटना चाहती है। ऐसी योजना यूपीए सरकार में तय भी हुई थी कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यक और उसमें भी सबसे अधिक मुस्लिमों का है, उस प्रकार से कांग्रेस की यह मुसलमानों को लुभाने एवं उन्हें लाभ पहुंचाने की अघोषित चुनावी घोषणा है, इस तरह की घोषणाएं लोकतंत्र में सुशासन एवं राजनीति मूल्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा ही कही जायेगी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता बादशाह नहीं होता बल्कि साधारण मतदाता बादशाह होता है क्योंकि उसके ही एक वोट से सरकारें बनती और बिगड़ती हैं। मतदाता को जो मूर्ख समझते हैं उनसे बड़ा मूर्ख दूसरा नहीं होता। ऐसे तथाकथित बयानों से भारत में संसदीय प्रणाली का लोकतंत्र कभी भी प्रभावित नहीं होगा, वह सफल रहा है और रहेगा क्योंकि भारत के लोग अनपढ़ व गरीब हो सकते हैं मगर वे अज्ञानी या मूर्ख नहीं है। उनका व्यावहारिक ज्ञान बहुत मजबूत होता है और वे राजनीतिक दलों के भ्रम में नहीं आने वाले, गुमराह नहीं होने वाले। यह सच है कि जब से भारत में जातिवादी, क्षेत्रवादी, भाषावादी, वर्गवादी व सम्प्रदायवादी राजनीति का बोलबाला हुआ है तभी से राजनीति के विमर्श में गिरावट आनी शुरू हुई है, लेकिन इस गिरावट को संभालने के लिये मतदाता को अधिक परिवक्व एवं समझदार होने की अपेक्षा है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

विचार मंथन

आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला, याचिकायें खारिज, मतदाताओं में मायूसी

(लेखक - सनत जैन)

वीवीपेट, ईवीएम मशीन और मतदाता पर्ची की गिनती करने की मांग वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। जो दो याचिकाएं लगाई गईं थीं, उनमें मांग की गई थी, कि वीवीपेट से निकलने वाली सभी पर्चियों की गिनती कराई जाए। जो पर्ची मशीन से निकलती है, उसे मतदाता के हाथ में दी जाए। मतदाता स्वयं पर्ची को बैलट बॉक्स में डाले। यदि यह संभव न हो, तो वीवी पेट में जो काला कांच लगा है, जो लाइट 7 सेकंड के लिए जलती है। उस वीवीपेट मशीन का ग्लास बदल दिया जाए। ताकि मतदाता ने जिसे वोट दिया है, उसे देख पाए। मतदाता के सामने ही पर्ची कटकर वैलिड बॉक्स में गिरी है, या नहीं, यह मतदाता सुनिश्चित कर सकें। तीन बार सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जिस तरह के संकेत मिल रहे थे। उससे लग रहा था, इस मामले में याचिका कर्ताओं को कोई राहत मिलने वाली नहीं है। इसके पहले भी चुनाव आयोग से संबंधित याचिकाओं को यही बेंच खारिज कर चुकी थी। यह याचिका लंबे समय से सुनवाई के लिए लंबित थी। चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद, इसमें सुनवाई शुरू हुई। याचिकाकर्ता 100 फ़ीसदी मतदाता पर्चियों की गिनती की मांग कर रहे थे। इस मांग को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं माना। सभी याचिकाओं को निरस्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 45 दिन तक कंट्रोल मशीन को सील कर सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। वहीं 7 दिन के अंदर दूसरे या तीसरे नंबर का उम्मीदवार अपने खर्चे पर कंट्रोल यूनिट की जांच की मांग कर सकता है। इसकी मांग करने वाले उम्मीदवार को उसका खर्च देना पड़ेगा। यदि कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई, तो उम्मीदवार के द्वारा जमा की गई राशि वापस नहीं की जाएगी। गड़-बड़ी पाए जाने पर उम्मीदवार को राशि वापस कर दी जाएगी।

पिछले कई महीनों से ईवीएम, वीवीपेट मशीन तथा कंट्रोल यूनिट की कार्यप्रणाली को लेकर आंदोलन किये जा रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के कई अधिवक्ताओं ने भी धरना-प्रदर्शन करके वीवीपेट से निकलने वाली सभी पर्चियां की गिनती कराने की मांग की थी। सारे देश में मतदाताओं द्वारा 100 फ़ीसदी मतदाता पर्ची गिनने की मांग की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से लोगों में निराशा है। चुनाव आयोग के आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को बदलते हुए, सरकार ने जो कानून बनाया है, उसमें सरकार द्वारा जिन दो चुनाव आयुक्त की नियुक्ति अधिसूचना जारी होने के 1 दिन पहले की गई है। उस नियुक्ति को लेकर भी लोगों में चुनाव आयोग के प्रति विश्वास कम हुआ है। लोकसभा चुनाव के पहले और दूसरे चरण के मतदान के दौरान चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर भी सारे लोग हैरान हैं। विपक्ष द्वारा की गई शिकायतों पर चुनाव आयोग मौन साध कर बैठ जाता है। सत्ता पक्ष की शिकायत पर विपक्ष पर तुरंत कार्रवाई कर दी जाती है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सरकार और चुनाव आयोग को राहत देने वाला फैसला माना जा रहा है। आम मतदाताओं की मांग और आशंकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने विचार नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से निष्पक्ष चुनाव होगा। इस पर मतदाताओं का संदेह कम होने की बजाय और बढ़ जाएगा। मतदाताओं में पहले ही निराशा थी। इस फैसले के बाद यह निराशा और भी बढ़ेगी। सत्ता पक्ष द्वारा जब यह दावा किया जाता है, इस बार 400 पार, यह दावा ईवीएम मशीन और वीवीपीएटी की कार्य प्रणाली को लेकर किया जा रहा है? यह बात मतदाता के मन में बैठ चुकी है। चुनाव आयोग जिस तरह से गांधी जी के तीन बंदर बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, और बुरा मत बोलो, की तर्ज पर सरकार के समर्थन में बैठा हुआ है। इसको देखते हुए लोगों को चुनाव पर कितना विश्वास रहेगा, कहा नहीं जा सकता है। वीवीपेट से निकली हुई पर्ची की 100 फीसदी गिनती और वीवी पेट से सही पर्ची प्रिंट हुई है। यह जानने का अधिकार मतदाता का है। सुप्रीम कोर्ट से यह आशा की जा रही थी, कम से कम आमजनता के इस अधिकार को बनाए रखने में, सुप्रीम कोर्ट का फैसला मतदाताओं के पक्ष में आएगा। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से मतदाताओं को निराशा ही मिली है। लोकतंत्र की रीड की हड्डी चुनाव पर यदि मतदाताओं को भरोसा नहीं रहेगा, तो भारतीय लोकतंत्र और संविधान भी सुरक्षित नहीं रहेगा यह लोगों का मानना है।

क्यारियों की तैयारी एवं उपचार

पौधशाला की मिट्टी की एक बार गहरी जुताई करें या फिर फावड़े-गैंती की मदद से खुदाई करें.खुदाई करने के पश्चात् ढेले फोड़कर गुड़ाई करके मिट्टी को भुरभुरी बना लें तथा उगे हुए सभी खरपतवार निकाल दें. फिर उचित आकार की क्यारियां बनायें. इन क्यारियों में प्रति वर्ग मीटर की दर से 2 कि.ग्रा. गोबर या कम्पोस्ट की सड़ी खाद या फिर 500 ग्राम केंचुए की खाद मिट्टी में अच्छी तरह मिलायें. यदि मिट्टी हल्की भारी हो तो प्रति वर्ग मीटर के लिये 2.5 कि.ग्रा. रेत अवश्य मिलायें.

क्यारी मिट्टी का उपचार

भूमि में विभिन्न प्रकार के कीड़े एवं रोगों के फफूंद, जीवाणु आदि पहले से रहते हैं जो उपयुक्त वातावरण पाकर क्रियाशील हो जाते हैं व आगे चलकर फसल को विभिन्न अवस्थाओं में हानि पहुंचाते हैं. अतः नर्सरी की मिट्टी का उपचार करना आवश्यक है.

सूर्यताप से उपचार

इस विधि में पौधशाला में क्यारी बनाकर उसकी जुताई-गुड़ाई करके हल्की सिंचाई कर दी जाती है जिससे मिट्टी गीली हो जाये. अब इस मिट्टी को पारदर्शी 200-300 गेज मोटाई की पालीथिन की चादर से ढंककर किनारों को मिट्टी या ईंट से दवा दें ताकि पालीथिन के अंदर बाहरी हवा और अंदर की वाष्प बाहर न निकल सके. ऐसा उपचार लगभग 4-5 सप्ताह तक करें. यह कार्य 15 अप्रैल से 15 जून तक किया जा सकता है. क्योंकि इस समय तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है.उपचार उपरांत पालीथिन शीट हटाकर भूमि की तैयारी कर बीज बोयें. सूर्यताप उपचार से भूमि जनित रोग कारक जैसे फफूंदी, निमेटोड (सूत्रकृमि), कीट खरपतवार आदि की संख्या में भारी कमी हो जाती है. कभी-कभी क्यारी की भूमि को व्यावसायिक फार्मेल्डिहाइड 40 प्रतिशत से, 250 मि.ली. 10 लीटर पानी में बने घोल से प्रत्येक क्यारी को गीला कर देते हैं और क्यारी को पहले की ही तरह पालीथिन शीट से ढंक देते हैं. 5-6 दिन बाद शीट हटाकर गुड़ाई करके 1-2 दिन के लिये खुला छोड़ देते हैं. तदुपरांत क्यारी तैयार कर बीज बोते हैं.

रसायनों द्वारा भूमि उपचार

बीज बोवाई के 4-5 दिन पहले क्यारी को फोरेट 10 जी एक ग्राम अथवा क्लोरोपायरीफास 5 मि.ली. प्रति ली. पानी के हिसाब से अथवा कार्बोफ्यूरान 5 ग्राम प्रति वर्गमीटर के हिसाब से भूमि में मिलाकर उपचार करते हैं. कभी-कभी फफूंदनाशक दवा कैप्टान 2 ग्राम/वर्ग मीटर के हिसाब से मिलाकर भी भूमि उपचार किया जाता है.

जैविक विधि

क्यारी की भूमि का जैविक विधि से उपचार करने के लिये ट्राइकोडर्मा विरडी की 8-10 ग्राम मात्रा को 10 किलो गोबर खाद में मिलाकर क्यारी में बिखेर देते हैं तत्पश्चात् सिंचाई कर देते हैं. जब भूमि का जैविक विधि से उपचार करें तब अन्य किसी रसायन का प्रयोग न करें.

मिर्च लगाएं बगिया में बहार लायें

पौधशाला (नर्सरी) क्या है?-पौधशाला या रोपणी अथवा नर्सरी एक ऐसा स्थान हैं जहां पर बीज अथवा पौधे के अन्य भागों से नये पौधों को तैयार करने के लिये उचित प्रबंध किया जाता है. पौधशाला का क्षेत्र सीमित होने के कारण देखभाल करना आसान एवं सस्ता होता है.

पौधशाला के लिये स्थान का चुनाव

- पौधशाला के समीप बहुत बड़ा वृक्ष न हो.
- भूमि उपजाऊ, दोमट, खरपतवार रहित तथा अच्छे जल निकास वाली हो, अम्लीय/क्षारीय भूमि का चयन न करें.
- लंबे समय तक धूप रहती हो.
- पौधशाला के पास सिंचाई जल की सुविधा उपलब्ध हो.
- चयनित क्षेत्र अपेक्षाकृत ऊंचा हो ताकि पानी न ठहरे.
- एक फसल के पौध उगाने के बाद दूसरी बार पौध उगाने का स्थान बदल दें. यानी फसल चक्र अपनायें.

रोपणी का आकार

आदर्श नर्सरी या रोपणी के लिये कुल क्षेत्र की सीमा निश्चित तौर पर निर्धारित नहीं की जा सकती है. जितनी फसलों के लिये और जितने क्षेत्र की आवश्यकता के लिये पौध तैयार करना होती है उसके ऊपर पौधशाला का आकार/क्षेत्र निर्भर होता है.

पौधशाला में क्यारियों का आकार

सामान्यतया पौधशाला में क्यारियों का आकार लंबाई में 3 से 5 मी., चौड़ाई में 1.0 से 1.2 मीटर और ऊंचाई में भूमि से 15-20 से.मी. ऊंचा रखा जाता है.प्रत्येक दो क्यारियों के बीच में लंबाई एवं चौड़ाई में दोनों तरफ 50 से.मी. का स्थान आवागमन की सुविधा के लिये छोड़ा जाता है. एक फसल के एक हेक्टर क्षेत्र में आवश्यक पौध की संख्या का निर्धारण, पौध रोपाई का कतार से कतार एवं पौध से पौध का अंतर एवं एक स्थान पर रोपे जाने वाले पौधों की संख्या के ऊपर निर्भर होता है. सामान्यतः मिर्च के लिये रोपण अंतर 45345 से.मी.रखने पर 4 3 1 3 0.2 मी. आकार की 25-27 (100 से 108 वर्ग मी.) क्यारियों की आवश्यकता पड़ती है. उन्नत किस्मों के 1.2 कि.ग्रा. बीज और संकर किस्मों के लिये 400 से 500 ग्राम बीज प्रति हेक्टर की आवश्यकता होती है.

बीज खरीदने में सावधानियां

- बीज अनुशंसित किस्म का शुद्ध एवं साफ हो. द्य अंकुरण क्षमता 80-85 प्रतिशत हो.
- बीज किसी प्रमाणित संस्था, शासकीय बीज विक्रय केंद्र, अनुसंधान केंद्र अथवा विश्वसनीय विक्रेता से ही लेना चाहिए. बीज प्रमाणिकता का टैग लगा पैकेट खरीदें.
- बीज खरीदते समय पैकेट पर अंकित किस्म, उत्पादन वर्ष, अंकुरण प्रतिशत, बीज उपचारण आदि अवश्य देख लें. ताकि पुराने बीज से बचा जा सके.
- बीज बोते समय ही पैकेट खोलें.

खरपतवार नियंत्रण

क्यारियों में उपचार के बाद भी यदि खरपतवार उगते हैं तो उन्हें हाथ से निकालते रहना चाहिए इसके लिये पतली लंबी डंडियों की भी मदद ली जा सकती है. अच्छा होगा यदि पेन्डीमिथालीन (स्टाम्प 34) की 3 मि.ली. मात्रा प्रति ली. पानी में घोलकर बीज बुवाई के 48 घंटे की भीतर क्यारियों में छिड़क दें, उससे खरपतवार की समस्या का निदान हो जायेगा.

बीज उपचार

रोपणी में बीज को सदैव उपचारित करके ही बोना चाहिये ताकि बीज जनित फफूंद से फैलने वाले रोगों को नियंत्रित किया सके. बीज उपचार के लिये 1.5 ग्राम थाइरम+1.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम (बाविस्टीन) अथवा 2.5 ग्राम डाइथेन एम-45 या 4 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरडी का प्रति किलो बीज के हिसाब से प्रयोग करना चाहिए. यदि क्यारी की भूमि का उपचार जैविक विधि से (ट्राइकोडर्मा) से किया गया है तो बीजोपचार भी ट्राइकोडर्मा विरडी से करें.

बीज बोने की विधि

क्यारियों में सर्वप्रथम उसकी चौड़ाई के समानान्तर 7-10 से.मी. की दूरी पर 1 से.मी. गहरी पंक्तियां बना लें तथा इन्हीं पंक्तियों पर बीज लगभग 1 से.मी. के अंतर से बोते हैं. बीज बोने के पश्चात कम्पोस्ट, मिट्टी व रेत के 1:1:1 के 5-6 ग्राम थाइरम या केप्टान से उपचारित मिश्रण से 0.5 से.मी. की ऊंचाई तक ढंक देते हैं.

क्यारियों को पलवार से ढंकना

बीज बोने के बाद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पुआल, सरकन्डा गन्ने के सूखे पत्ते या ज्वार-मक्का के बने टटिये से ढंक देते हैं. ताकि मिट्टी में नमी बनी रहे और सिंचाई करने पर पानी सीधे ढंके हुए बीजों पर न पड़े अन्यथा मिश्रण बीज से हट जायेगा और बीज का अंकुरण प्रभावित होगा.

सिंचाई

क्यारियों में बीज बोने के बाद 5-6 दिनों तक हजारे/झारे से हल्की सिंचाई करें ताकि बीज ज्यादा पानी पाकर बैठ न जाये. वर्षाऋतु में क्यारी की नालियों में उपस्थित अधिक पानी को पौधशाला से बाहर निकालना चाहिए. क्यारियों से पलवार/घास-फूस तब हटायें जब लगभग 50 प्रतिशत बीजों का अंकुरण हो चुका हो. बीज बुवाई के बाद यह अवस्था मिर्च में 7-8 दिन बाद, टमाटर में 6-7 दिन बाद व बैंगन में 5-6 दिन बाद आती है.

जरूरी है मिट्टी की नब्ज टटोलना

नमूना लेने का तरीका

- पूरे खेत को आकार एवं समरूपता के आधार पर 1 से 2.5 एकड़ के खण्ड में बांट लेते हैं।
- प्रत्येक खण्ड को एक नम्बर या नाम देते हैं।
- प्रत्येक खण्ड से मिट्टी का एक नमूना तैयार किया जाता है।
- एक नमूना तैयार करने के लिये उस खंड में (जिसका नमूना तैयार करना है।) 10 से 20 स्थानों से आधा-आधा किलो मिट्टी इकट्ठी करते हैं।
- प्रत्येक स्थान से मिट्टी लेते समय मिट्टी की ऊपरी परत से कचरा एवं डंठल साफ कर देना चाहिए।
- साफ करने के बाद प्रत्येक स्थानर पर व्ही के आकार का 15-20 सेमी गहरा गड्ढा करते है।
- हर स्थान से गडढे के किसी भी किनारे से गहराई में ऊपर से नीचे तक की एक इंच मोटी मिट्टी की तह को प्लास्टिक की बाल्टी या कपड़े में इकट्ठा करते हैं।
- एकत्र मिट्टी का एक ढेर बनाकर (+) धन का निशान बनाते हुये ढेर को चार बराबर भागों में बांटते हैं।
- आमने-सामने के दो भागों की मिट्टी को हटाकर शेष दो भागों की मिट्टी का ढेर बनाते है।
- इसके बाद पुनः क्र. 8 से 9 की क्रिया दोहराते हैं।
- जब आधा किलो का ढेर शेष रह जाये वही उस खण्ड का मिट्टी का नमूना होगा।
- इस नमूने को कपड़े की थैली में भरकर एक नमूना पत्रक (जिसमें कृषक का नाम, पता, खेत का नाम या नम्बर, बोई जाने वाली फसल, नमूने लेने का दिनांक, खेत का क्षेत्रफल आदि लिखा हो) थैली के अंदर डालते हैं।
- यह नमूना परीक्षण कराने हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से अथवा स्वयं मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में पहुंचाना चाहिये।

मिट्टी परीक्षण के लाभ

- मिट्टी परीक्षण से उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा का पता चलती है तथा जरूरत के मुताबिक संतुलित उर्वरक देना आसान हो जाता है.
- उर्वरकों के संतुलित उपयोग से उपज अधिक तथा लागत में कमी एवं शुद्ध लाभ में वृद्धि होती है।

- खेत की उपजाऊ शक्ति लम्बे समय तक बनी रहती है। मिट्टी परीक्षण जैविक खेती का आधार मुख्य है।

खेत की मिट्टी का परीक्षण कैसे करायें।

- मिट्टी का परीक्षण कराने के लिये खेत से मिट्टी का नमूना लेकर उसे पास की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा जाता है। खेत से मिट्टी का नमूना लेना बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है।

गहरी जुताई करने से पौधों की जड़ें पर्याप्त गहराई तक भूमि में जाती है, जिससे सूखे की स्थिति में पौधे की जड़े निचली सतहों से नमी का भरपूर उपयोग करती है. गर्मी के मौसम में हल्की मिट्टियों मे कम जुताई करके भी सिंचाई करके उसकी बोआई की जा सकती है.

गर्मी में उड़द उगायें लाभ कमायें

मौसम संबंधी अनुकूलता

उड़द के अधिक उत्पादन के लिए जनन अवस्था में खूब चमकीली धूप चाहिए क्योंकि चमकीली धूप से फली निर्माण अधिक होता है और उपज अच्छी होती है.

खेत की तैयारी

उड़द को जिस खेत में बोना है, उसमें पहले उपयुक्त हल से जुताई करें, फिर हैरो चलावें और पाटा लगाकर खेत को समतल करें. गहरी जुताई करने से पौधों की जड़ें पर्याप्त गहराई तक भूमि में जाती है, जिससे सूखे की स्थिति में पौधे की जड़े निचली सतहों से नमी का भरपूर उपयोग करती है. गर्मी के मौसम में हल्की मिट्टियों मे कम जुताई करके भी सिंचाई करके उसकी बोआई की जा सकती है. इससे समय धन और श्रम की पर्याप्त बचत हो जाती है और अच्छी उपज मिल जाती है.

बुआई का समय

गर्मी के मौसम में उड़द की फसल को मार्च के आखिरी दिनों या 10 अप्रैल तक बोना उपयुक्त समझा जाता है. इस अवधि में बोई गई फसल से अधिकतम उपज मिलने के प्रमाण मिले हैं. इस मौसम में बुआई में देरी करने से यदि बरसात जल्दी हो जाती है तो उड़द की फलियाँ सड़ जाती हैं और उपज घट जाती है.

पादप सघनता और बीज दर

उड़द की अधिक उपज प्राप्त करने के लिए उचित पादप संख्या आवश्यक है. गर्मी के मौसम में उगाई गई उड़द की फसल में पौध संख्या खरीफ की तुलना में अधिक होती है क्योंकि खरीफ के मौसम में पादप वृद्धि अधिक होती है जबकि गर्मी के मौसम में उड़द की पादप वृद्धि अपेक्षाकृत कम होती है.ग्रीष्मकाल में उड़द के लिये 20 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज पर्याप्त होता है. कतारों में 30 से.मी. अंतर और पौधे से पौधे की दूरी 7 से.मी. रखें. बीज की गहराई 4 से.मी. रखें.

उन्नत किस्म का चुनाव

विभिन्न राज्यों के लिये अनुमोदित की गई जायद मौसम (गर्मियों में) बोई जाने वाली उड़द की उन्नत जातियाँ

आहार पोषण

43 किलो यूरिया, 250 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 66 किलो पोटाश/हे. दिया जाये. उड़द की ग्रंथिकायुक्त जड़ों में यौगिकीकरण की प्रक्रिया अच्छी तरह होती है जिससे उसकी नाइट्रोजन आवश्यकता लगभग पूरी हो जाती है. अधिकांश क्षेत्रों में जहां उड़द की खेती की जाती है, वहाँ मिट्टी से संबंधित जीवाणुओं की पर्याप्त संख्या होती है जिससे इन क्षेत्रों में बीज निवेशन की आवश्यकता नहीं पड़ती है. नयी तोड़ी गई भूमि में ऐसे क्षेत्रों में जहां इसकी खेती पिछले कई वर्षों में नहीं गई है बीज निवेशन अवश्य करना चाहिए.

निंदाई-गुड़ाई

खरपतवार फसलों को अपेक्षाकृत अनुमान से कहीं अधिक क्षति पहुंचाते हैं अतः विपुल उत्पादन के लिये अपनाये महंगे कृषि प्रसाधन, खरपतवारों की वजह से व्यर्थ न जाने पायें, इसके लिये समय-समय पर निंदाई-गुड़ाई कोल्पा या डोरा चलाकर करें. (बुआई के 30 दिन बाद) खरपतवार नियंत्रण से दाने की उपज पर्याप्त बढ़ जाती है.

सिंचाई

बसंतकालीन और ग्रीष्मकालीन उड़द की फसल पूरी तरह सिंचाई पर निर्भर करती है. बसंत ऋतु में 10 से 15 दिन के अंतर पर फसल की सिंचाई करना आवश्यक होता है. पहली सिंचाई बुआई के 20 दिन बाद करनी चाहिए. इस मौसम में उड़द में मूंग की अपेक्षा अधिक जल्दी सिंचाई करनी पड़ती है. पैदावार : जायद में बोई गई उड़द की शुद्ध बीज वाली फसल की पैदावार 12 से 15 क्विंटल प्रति हे. तक हो सकती है.

तेजी से बढ़ रही है भारत की अर्थव्यवस्था: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली ।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड सहित अंतरराष्ट्रीय संगठनों और रिजर्व बैंक ने मौजूदा वित्त वर्ष में भारत की अच्छी जीडीपी ग्रोथ का अनुमान दिया है। कई देशों में महंगाई का दबाव फिर बढ़ा है, लेकिन सरकार और आरबीआई के प्रयासों से भारत में महंगाई घटी है। इस बार मॉनसूनी बारिश सामान्य से अधिक होने के अनुमानों को देखते हुए अच्छी फसल होने और महंगाई और घटने की संभावना है।` वित्त मंत्रालय ने मंथली इकनॉमिक रिव्यू में ये बातें कहीं। रिव्यू में कहा गया है` कि वित्त वर्ष 2024 में रिटेल इंफ्लेशन में काफी कमी आई। यह कोविड महामारी के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई। मार्च में कोर इंफ्लेशन 3.3 फीसदी रही। 2024 में मॉनसून सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान फसलों के लिए शुभ संकेत है और इससे महंगाई की चिंता घटेगी। फरवरी में फूड इंफ्लेशन 8.66 फीसदी और मार्च में 8.52 फीसदी थी। सब्जियों के दाम फरवरी में 30.25 फीसदी चढ़े थे। मार्च में वेजिटेबल इंफ्लेशन 28.3 फीसदी पर आ गई थी। दालों में महंगाई दर फरवरी के 18.9 फीसदी से घटकर मार्च में 17.7 फीसदी हो गई थी। ओवरऑल रिटेल इंफ्लेशन फरवरी के 5.1 फीसदी से घटकर मार्च में 4.85 फीसदी हो गई थी। रिव्यू में कहा गया कि वैश्विक व्यापार में सुस्ती आ रही है, लेकिन चुनौतियों के बावजूद भारत का व्यापार घाटा आने वाले वर्षों में कम होने की उम्मीद है क्योंकि पीएलआई स्कीम का दायरा बढ़ रहा है।

हवाई किराया हो सकता है सस्ता

मुंबई । नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हवाई यात्रियों के लिए उड़ान के आधार पर किराए को और अधिक किफायती बनाने को लेकर निर्देश दिया है। इसमें एयरलाइंस द्वारा निर्धारित हवाई किराए में उनके द्वारा प्रदान की गई कुछ सेवाओं के लिए शुल्क का भी जिक्र किया गया है। इस निर्देश के तहत डीजीसीए की ओर से यात्रियों के लिए अनावश्यक सुविधाओं को शुल्क हटाने की बात कही गई है। डीजीसीए की ओर से बताया गया कि अनावश्यक सुविधाओं और उनके शुल्कों को हटा देने से मूल किराया अधिक किफायती हो सकता है। ऐसा होने से यात्रियों को उन सेवाओं के लिए भुगतान करने का विकल्प मिल जाता है, जिनका वह लाभ उठाना चाहता है। अपने निर्देश में डीजीसीए की ओर से सात सेवाओं की एक सूची का उल्लेख किया है। डीजीसीए के इस कदम से आगामी समय में लोगों के लिए हवाई यात्रा सस्ती हो सकती है।

बजाज फाइनेंस के शेयर आठ फीसदी गिरे

नई दिल्ली । बजाज फाइनेंस के शेयर में शुक्रवार को करीब आठ प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर शेयर 7.64 प्रतिशत गिरकर 6,736.15 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 7.60 प्रतिशत फिसलकर 6,740 रुपये पर रहा। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस का मुनाफा बीते वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 21 प्रतिशत बढ़कर 3,825 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 3,158 करोड़ रुपये रहा था। बजाज फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया था कि एकीकृत आधार पर मार्च तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 14,932 करोड़ रुपये रही, जो 2022-23 की इसी तिमाही में 11,368 करोड़ रुपये थी।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमानः डेलॉयट

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष 2024-25 में डेलॉयट इंडिया ने भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। निर्यात में तेजी और पूंजी प्रवाह इसमें मुख्य कारक रहेंगे।डेलॉयट ने भारत की आर्थिक परिदृश्य पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि मध्यम आय वर्ग की तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है। प्रीमियम लक्जरी उत्पादों व सेवाओं की मांग भी उत्पन्न हुई है। डेलॉयट ने पिछले वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 7.6 से 7.8 प्रतिशत के बीच कर दिया है। जनवरी में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि के 6.9 से 7.2 प्रतिशत की सीमा में रहने का अनुमान लगाया था। डेलॉयट ने तिमाही के आर्थिक परिदृश्य में कहा कि देश की जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 6.6 प्रतिशत और उसके अगले वर्ष 6.75 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। बाजार अपने निवेश तथा उपभोग निर्णयों में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को ध्यान में रखना सीख रहे हैं। डेलॉयट इंडिया की एक अर्थशास्त्री ने कहो ` कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में 2025 में एक समकालिक बदलाव देखने की उम्मीद है क्योंकि प्रमुख चुनावी अनिश्चितताएं दूर हो जाएंगी और पश्चिम के केंद्रीय बैंक 2024 में बाद में कुछ दरों में कटौती की घोषणा कर सकते हैं। भारत में पूंजी प्रवाह में सुधार और निर्यात में उछाल देखने की भी संभावना है।

जापानी कंपनी मैनावी ने एविग्न में बहुलांश हिस्सेदारी प्राप्त की

नई दिल्ली । जापान स्थित मानव संसाधन समाधान प्रदाता मैनावी कॉरपोरेशन ने मानव संसाधन प्रौद्योगिकी मंच एविग्न में बहुलांश हिस्सेदारी प्राप्त कर ली है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस बदलाव के बाद बेंगलुरु स्थित एविग्न का लक्ष्य 2030 तक एक अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व जुटाना है। इस अधिग्रहण के साथ ही कैप्रिया, ल्यूमिस, एमएसडीएफ, एमिकस कैपिटल और पंकज बंसल सहित एविग्न के कुछ शुरुआती निवेशक कंपनी से बाहर हो गए। एविग्न के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि मैनावी के पास कंपनी में महत्वपूर्ण बहुमत होगा और कंपनी के सह-संस्थापकों के पास भी बड़ी हिस्सेदारी बनी रहेगी। इस अधिग्रहण के तहत निदेशक मंडल में बदलाव होंगे क्योंकि मैनावी के पास बहुलांश हिस्सेदारी होगी। हालांकि, संचालन स्तर वही रहेगा। मैनावी हमारी कंपनी में किसी भी संचालक की नियुक्ति नहीं करेगी। हालांकि, उन्होंने अधिग्रहण के वित्तीय विवरण का खुलासा करने से इनकार कर दिया।

इंडिगो ने दिया 30 ए 350-900 विमानों का ऑर्डर

मुंबई।

सार्वज निक विमानन कंपनी इंडिगो ने यूरोप की विमान बनाने वाली कंपनी एयरबस को चौड़ी बॉडी वाले 30 ए350-900 विमानों का ऑर्डर दिया है। यह ऑर्डर 4 से 5 अरब डॉलर का हो सकता है। देश में विमान यात्रा की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए देसी विमानन कंपनियां पिछले साल से अब तक विमान खरीदने के लिए 4 बड़े ऑर्डर दे चुकी हैं। टाटा के एयर इंडिया समूह ने फरवरी 2023 में 470 विमानों के लिए ऑर्डर दिए थे। उसने एयरबस को 250 विमान और अमेरिकी कंपनी बोइंग को 220 विमान का ऑर्डर दिया था। इंडिगो ने जून 2023 में एयरबस को 500 ए320नियो विमानों का ऑर्डर दिया था, जो दुनिया का सबसे बड़ा विमान ऑर्डर था। नई विमानन कंपनी अकासा एयर ने जनवरी 2024 में बोइंग को 150 बी737 मैक्स विमानों का ऑर्डर दिया था। आज के ऑर्डर की खासियत यह है कि इंडिगो पहली बार चौड़ी बॉडी वाले विमान खरीद रही है। उसके बेड़े में चौड़ी बॉडी वाले 2 बी 777 विमान पहले से हैं मगर वे टर्किश एयरलाइंस से पट्टे पर लिए गए हैं। विमानन कंपनी ने कहा कि इन विमानों का सटीक रंगरूप बाद में तय किया जाएगा। उम्मीद है कि विमान 2027 से मिलने शुरू हो जाएंगे। इंडिगो के पास कुछ शर्तों के साथ 70 एयरबस ए350 विमान खरीदने का भी अधिकार है। उनका ऑर्डर भविष्य की जरूरतों के हिसाब से दिया जाएगा। चौड़ी बॉडी वाले विमानों ईंधन टैंक और इंजन संकरी बॉडी वाले विमानों के मुकाबले बड़े होते हैं। इसलिए इन विमानों को लंबी दूरी की उड़ान में इस्तेमाल किया जा सकता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी के साथ ही पिछले पांच कारोबारी सत्र से जारी तेजी भी रुक गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 609.28 अंक करीब 0.82 फीसदी नीचे आकर 73,730.16 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 150.40 अंक तकरीबन 0.67 फीसदी नीचे आकर 22,419.95 के स्तर पर बंद हुआ।

शुक्रवार के कारोबार में टेक महिन्द्रा , डिविस लैब, एलटीआई माइंडट्री , बजाज ऑटो और बीपीसीएल निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्टले इंडिया, इंडसइंड बैंक और एमएंडएम सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार हल्की तेजी के साथ बंद हुए थे।

एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात में तेजी और पूंजी प्रवाह से भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट के अनुसार मध्यम आय वर्ग की तेज वृद्धि से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है। इससे प्रीमियम लक्जरी प्रोडक्ट्स और सर्विसेज की मांग भी बढ़ी है।

इससे पहले आज सुबह सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, सन फार्मा, एनटीपीसी, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रुप से लाभ में कारोबार कर रहे थे। वहीं दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हुआ। जापान का निक्की 225 0.32 फीसदी बढ़ा, जबकि व्यापक आधार वाला टॉपिक्स सूचकांक 0.07 फीसदी बढ़ा, दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.86 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

यूरोपीय देश भी 525 से ज्यादा भारतीय सामानों पर लगा चुका है प्रतिबंध

नई दिल्ली ।

अभी कुछ दिन पहले सिंगापुर और हांगकांग ने एवरेस्ट और एमडीएच के मसालों पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन क्या आपको पता है कि सितंबर 2020 से अभी तक यूरोपीय देश भी 525 से भी ज्यादा भारतीय सामानों पर प्रतिबंध लगा चुका है। ईयू के मुताबिक इन सामानों में कैंसर पैदा करने वाले रसायन पाए गए हैं। एक खबर के मुताबिक सितंबर 2020 और अप्रैल 2024 के बीच यूरोपीय संघ इयू ने 527 भारतीय वस्तुओं को कंटेमिनेटेड पाया। संघ का कहना है कि इन सामानों में कैंसर पैदा करने वाले रसायन पाए गए। यूरोपीय संघ के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जिन भारतीय सामानों को प्रतिबंध किया उनमें से अधिकांश मेवे और तिल के बीज (313), जडी-बूटी और मसाले (60), डायबेटिक व्यक्ति के लिए खाद्य पदार्थ (48) और अन्य खाद्य उत्पाद (34)। इन सामानों के 87 कंशाइनमेंट को देश के बार्डर पर ही रोक दिया गया था, जबकि शेष को बाद में बाजारों से हटा दिया गया था। अभी सिंगापुर और हांगकांग में जो भारतीय मसालों पर प्रतिबंध लगा है, उनमें एथिलीन ऑक्साइड पाया गया था। इसे कैंसर पैदा करने वाला रसायन माना जाता है। इसी के कारण हांगकांग और सिंगापुर में भारतीय उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। हालांकि यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण द्वारा नियमित रूप से भारतीय उत्पादों में यही रसायन पाया गया था, लेकिन अधिकारियों द्वारा इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए कोई सक्रिय कदम नहीं उठाया गया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का भाव 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वै श्विक बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.35 डॉलर की बढ़त के साथ 89.36 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.28 डॉलर उछलकर 83.85 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

लावा कंपनी ने नई स्मार्टवॉच लॉन्च की

- मिलेंगे शानदार फीचर्स और डिजाइन

नईदिल्ली ।

हाल ही में लावा कंपनी ने नई स्मार्टवॉच लॉन्च की हैं। यह वॉच कोरनिंग गोरिल्ला ग्लास 3 और हाई एक्यूरेसी के साथ लॉन्च हुई इस वॉच की कीमत भी बहुत कम है। इस वॉच की शुरुआत 2,599 रुपए से होती है। इसकी मदद से हेल्दी लाइफस्टाइल और एक्टिव फीचर्स मिलते हैं। लावा की इस स्मार्टवॉच में आपको 1.43 इंच अमोलेड डिस्प्ले भी दिया जा रहा है जो 466*466 रेजोल्यूशन के साथ आता है। इसमें आपको हेल्थ फीचर्स भी अलग से दिए जाते हैं और 110 से ज्यादा स्पोट्र्स मोड्स भी मिलते हैं। स्मार्ट नोटिफिकेशन, 150 वॉच फेस और फास्ट चार्जिंग भी इसका एक फीचर है। यूजर एक्सपीरियंस भी इससे काफी अलग होने वाला है। क्योंकि ये लाइट वेट भी है जो आपको काफी लंबी बैटरी लाइफ भी देती है। लावा की तरफ से अपनी इस वॉच की 24 महीने की वारंटी दी जा रही है। यानी आपको 2 साल तक बिल्कुल चिंता करने की जरूरत नहीं है। यही वजह है कि एक बार खरीदने के बाद आपको लंबे समय तक कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। ट्रैकिंग हेल्थ और अन्य फीचर्स भी इसे काफी अलग बनाते हैं। हाई परफॉर्मेंस रियलटेक चिपसेट आपको बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस ऑफर करता है। आईपी 68 वॉटर रेसिसटेंट रेटिंग की वजह से आपको बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस भी होने वाला है। प्रोवॉच वीएन भी ऐसा ही प्रोडक्ट है और इसे खरीदने के लिए आपको 1,999 रुपए खर्च करने होंगे। प्रोवॉच झेन और वीएन को आप 26 अप्रैल दोपहर 12 बजे से खरीद सकते हैं।प्रोवॉच झेडएन वर्जन को 2 वैरिएंट्स में लॉन्च किया गया है। पहला वालीरियान ग्रे और ड्रेगनग्लास ब्लेक में लाया गया है। नॉर्मल यूसेज में आपको 7 दिन का नॉर्मल यूसेज टाइम मिलने वाला है।

स्वीगी 120 करोड़ डॉलर का आईपीओ लाएगी

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन ऑर्डर पर खाना पहुंचाने वाली कंपनी स्विगी 1.2 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने पर` विचार कर रही है। बताया जा रहा है` कि स्विगी के इस प्रस्ताव को उसके शेयरधारकों ने मंजूरी दे दी है। बेंगलूरु की यह कंपनी नए शेयर जारी कर करीब 3,750 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। वह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिये 6,664 करोड़ रुपए और आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से करीब 750 करोड़ रुपए जुटाने के बारे में भी सोच रही है। स्विगी का आईपीओ इसी साल आ सकता है। मगर अभी तक उसने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास निर्गम के दस्तावेज जमा नहीं कराए हैं। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के अनुसार स्विगी में सबसे अधिक करीब 32 फीसदी हिस्सेदारी प्रोसस की है। उसमें सॉफ्टबैंक की 8 फीसदी, एस्सेल की 6.2 फीसदी, संस्थापक समूह की 6.7 फीसदी और एलिवेशन कैपिटल की 4.4 फीसदी हिस्सेदारी है।

इसके अलावा नॉर्वेस्ट, टेनसेंट, डीएसटी ग्लोबल और अल्फा वेव ने भी स्विगी में निवेश किया है। आईपीओ को शेयरधारकों की मंजूरी का खुलासा हाल ही में हुई स्विगी की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) के एक दिन बाद हुआ है।

31 मई तक पैन को आधार से नहीं जोड़ा तो दोगुना कटेगा टीडीएस

मुंबई ।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने उन टैक्सपेयर्स को राहत देने की बात कही है जो 31 मई तक अपने पैन को आधार से लिंक करवा देंगे। विभाग ने कहा है कि अगर 31 मई तक पैन कार्ड से आधार लिंक होता है तो टीडीएस की कम कटौती को लेकर टैक्सपेयर्स और कारोबारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं की जाएगी। इनकम टैक्स विभाग के नियमों के मुताबिक अगर पैन कार्ड आधार नंबर के साथ लिंक नहीं है तो दोगुनी रेट के साथ टीडीएस कटौती की जाएगी। लेकिन टैक्सपयर्स ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स को टैक्सपेयर्स से कई शिकायतें मिलीं कि उन्हें पता ही नहीं था कि पैन-आधार लिंक नहीं करने से उन्हें इतना नुकसान हो सकता है। कई प्रॉपर्टी खरीदारों को अपनी जेब से 19 फीसदी टीडीएस का भुगतान करना पड़ा। टैक्स` विशेषज्ञों ने बताया कि जिन लोगों ने 30 जून 2023 तक अपने पैन कार्ड को आधार से लिंक नहीं कराया था, उन लोगों का पैन कार्ड निष्क्रिय हो गए थे। इनकम टैक्स` विशेषज्ञों ने बताया कि इनकम टैक्स विभाग ने टीडीएस टीसीएस कटौती को लेकर टैक्सपेयर्स के साथ-साथ कारोबारियों को बड़ी राहत इसलिए दी है क्योंकि पता ही नहीं चलता था कि किसका आधार-पैन लिंक नहीं है।

बाद में नोटिस आते थे और पेनल्टी लगती थी। असल में लोगों ने शिकायत की कि विभाग ने ऐसी कोई व्यवस्था नहीं नहीं थी, जिसमें यह पता चले कि पैन-आधार लिंक है या नहीं। बिजनेसमन भी जो टीडीएस काटते थे, उन्हें भी समस्या हो रही थी, क्योंकि उन्हें पता ही नहीं चलता था कि जिन्होंने लिंक नहीं करवाया है, अब विभाग ने कहा है कि वे यूटिलिटी प्रोवाइड करवाएंगे और जिन्हें नोटिस मिला है, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

आईसीआईसीआई बैंक ने 17 हजार क्रेडिट कार्ड ब्लॉक किए

- क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला

नई दिल्ली।

आईसीआईसीआई बैंक ने कहा है कि क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला सामने आने के बाद उसने लगभग 17 हजार क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कर दिए हैं। निजी क्षेत्र के बैंक ने कहा कि इस मामले में किसी भी कार्ड के किसी दुरूपयोग की सूचना नहीं है। लेकिन उसने कहा कि ग्राहक को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान होने पर वह उसका मुआवजा देने को तैयार है। एक सूत्र ने कहा कि बैंक के नये ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड का नंबर कुछ पुराने ग्राहकों के कार्ड के साथ गलती से जुड़ गए थे। इस गड़बड़ी की वजह से बैंक के मोबाइल ऐप पर चुनिंदा पुराने ग्राहकों को नए कार्डधारकों का पूरा ब्योरा दिखने लगा था। सोशल मीडिया पर बैंक की इस गलती को लेकर चर्चा चल रही थी। हालांकि अब इसे सुधार लिया गया है। गलत मैपिंग के कारण बैंक का पुराना उपयोगकर्ता नए क्रेडिट कार्ड ग्राहक के बारे में पूरी जानकारी को देख पा रहा था। आईसीआईसीआई बैंक के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस समस्या की चपेट में आए क्रेडिट उसके कुल कार्ड पोर्टफोलियो का केवल 0.1 प्रतिशत हैं। प्रवक्ता ने कहा कि इन सभी कार्ड को ब्लॉक कर दिया गया है और ग्राहकों को नये कार्ड जारी किए जाएंगे। बयान के मुताबिक इन कार्ड में से किसी भी कार्ड के दुरुपयोग का कोई मामला हमारे संज्ञान में नहीं लाया गया है। हालांकि, हम आश्वस्त करते हैं कि किसी भी वित्तीय नुकसान के मामले में बैंक ग्राहक को उचित मुआवजा देगा।

माना जाता है कि घर के आंगन में तुलसी का पौधा हो तो घर का कलह और अशांति दूर होती है। घर-परिवार पर मां लक्ष्मी जी की विशेष कृपा बनी रहती है। इतना ही नहीं प्रतिदिन दही के साथ चीनी और तुलसी के पत्तों का सेवन करना बहुत शुभ माना जाता है।

आपका सौभाग्य जगाएगी

पवित्र तुलसी

तुलसी का तांत्रिक उपाय....

- सबसे पहले तुलसी के 7 पत्ते (तुलसीदल) और 7 काली मिर्च अपनी मुट्ठी में लें।
- इसके बाद जिसकी नजर उतारना है उसे लेटा कर उस बंद मुट्ठी से उक्त व्यक्ति के सिर से पैर तक मंत्र बोलकर 21 बार उतार लें।
- तत्पश्चात काली मिर्च पीड़ित व्यक्ति को चबाने के लिए दें और तुलसी के पत्तों को हाथ से मसलकर निगलने को दें।
- फिर पीड़ित व्यक्ति को लेटा कर उसके पांव के तलवों को किसी कपड़े से सात या ग्यारह बार झाड़ देने से नजर का प्रभाव दूर होता है।

तुलसी के बारे में हिंदू मान्यताओं में बताया गया है कि हर घर के बाहर तुलसी का पौधा होना अनिवार्य है। इतना ही नहीं, बल्कि जो व्यक्ति प्रतिदिन तुलसी का सेवन करता है, उसका शरीर अनेक चंद्रायण व्रतों को फल के समान पवित्रता प्राप्त कर लेता है।

जल में तुलसीदल (पत्ते) डालकर स्नान करना तीर्थों में स्नान कर पवित्र होने जैसा है और जो व्यक्ति ऐसा करता है वह सभी यज्ञों में बैठने का अधिकारी होता है। इतना ही नहीं यह वास्तु दोष भी दूर करने में सक्षम है।

प्रतिदिन तुलसी का पूजन करना और पौधे में जल अर्पित करना हमारी प्राचीन परंपरा है। जिस घर में प्रतिदिन तुलसी की पूजा होती है, वहां सुख-समृद्धि, सौभाग्य बना रहता है। धन की कभी कोई कमी महसूस नहीं होती। अतः हमें विशेष तौर पर प्रतिदिन तुलसी का पूजन अवश्य करना चाहिए। माना जाता है कि घर के आंगन में तुलसी का पौधा हो तो घर का कलह और अशांति दूर होती है। घर-परिवार पर मां लक्ष्मी जी की विशेष कृपा बनी रहती है। इतना ही नहीं प्रतिदिन दही के साथ चीनी और तुलसी के पत्तों का सेवन करना बहुत शुभ माना जाता है।

पौराणिक शास्त्रों के अनुसार तुलसी के पत्तों के सेवन से भी देवी-देवताओं की विशेष कृपा प्राप्त होती है। दही के साथ तुलसी का सेवन करने से कई प्रकार के आयुर्वेदिक लाभ भी प्राप्त होते हैं। जैसे-दिनभर कार्य में मन लगा रहता है, मानसिक तनाव नहीं रहता, शरीर हमेशा ऊर्जावान बना रहता है।

यदि किसी को अचानक नजर लग जाए तो तुलसी का निम्न तांत्रिक उपाय करने पर लाभ प्राप्त होता है।

असल में कितने देवी-देवता हैं और क्यों?

गायत्री के 24 अक्षरों में विद्यमान 24 देवताओं के नाम

1. अग्नि
2. प्रजापति
3. चन्द्रमा
4. ईशान
5. सविता
6. आदित्य
7. बृहस्पति
8. मित्रावरुण
9. भग
10. अर्यमा
11. गणेश
12. त्वष्टा
13. पूषा
14. इन्द्राग्नि
15. वायु
16. वामदेव
17. मैत्रावरूण
18. विश्वेदेवा
19. मातृक
20. विष्णु
21. वसुगण
22. रूद्रगण
23. कुबेर
24. अश्विनीकुमार।

28 अप्रैल को ज़ी सिनेमा पर 'तेजस' के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ होगी आतंकवाद से जंग

"जरूरी नहीं है हर बार बातचीत होनी चाहिए...जंग के मैदान में आखिर जंग होनी चाहिए।" जब आतंक के खिलाफ युद्ध की बात आती है तो सारा देश एकजुट हो जाता है। इस रविवार, 28 अप्रैल को दोपहर 12 बजे ज़ी सिनेमा आपके लिए लेकर आ रहा है बेमिसाल देशभक्ति और जबर्दस्त एक्शन से भरपूर फिल्म 'तेजस' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर। प्रतिभाशाली अभिनेत्री कंगना राणावत के अभिनय से सजी फिल्म 'तेजस' आतंकवाद के खिलाफ जारी देश की लड़ाई को असरदार ढंग से दिखाती है।

एक जांबाज़ एयर फोर्स पायलट, एक खतरनाक मिशन और एक छिपे हुए दुश्मन की दहशत...जब पूरे देश का भविष्य दांव पर लगा हो तो इससे बढ़कर और कुछ नहीं हो सकता! सर्वेश मेवाड़ा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अंशुल चौहान, आशीष विद्यार्थी, वरुण मित्रा और विशाक नायर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। जबर्दस्त आसमानी दृश्य और हैरतअंगेज एक्शन शॉट्स के साथ 'तेजस' दर्शकों को रोमांस, सस्पेंस और देशभक्ति के शानदार सफर पर ले जाने का वादा करती है।

यह फिल्म एक बहादुर फाइटर पायलट तेजस और अपने देश को बचाने के उसके अटूट हौसले की कहानी बयान करती है जहां वो जोखिम भरे बचाव मिशन पर निकल पड़ती है। इस फिल्म में उसके एयरफोर्स एकेडमी की एक जिद्दी कैडेट होने से लेकर एक जुनूनी पायलट बनने तक का सफर है, जहां वो अपने दु:खद अतीत से भी जूझती है। अपनी सहयोगी और को-पायलट आफिया के साथ मिलकर तेजस को ऐसे एक आतंकवादी हमले को नाकाम करना है, जो पूरे देश को हिलाकर रख सकता है। क्या वो इसमें कामयाब होगी?

जानने के लिए अपने कैलेंडर पर तारीख तय कर लीजिए! देखिए तेजस, रविवार 28 अप्रैल को दोपहर 12 बजे, सिर्फ ज़ी सिनेमा पर!

ऐसी मान्यता है कि हिंदू देवी-देवताओं की संख्या 33 या 36 करोड़ है, लेकिन ये सच नहीं है। वेदों में देवताओं की संख्या 33 कोटी बताई गई है। कोटी का अर्थ प्रकार होता है जिसे लोगों ने या बताने वाले पंडित ने 33 करोड़ कर दिया। यह भ्रम आज तक जारी है। देवी और देवताओं को परमेश्वर ने प्रकाश से बनाया है और ये प्रमुख रूप से कुल 33 हैं। ये सभी ईश्वर के लिए संपूर्ण ब्रह्मांड में कार्य करते हैं। देवताओं को इस्लाम में फरिश्ते और ईसाई धर्म में एंजेल कहते हैं। देवताओं की शक्ति और सामर्थ के बारे में वेद और पुराणों में उल्लेख मिलता है। हालांकि प्रमुख 33 देवताओं के अलावा भी अन्य कई देवदूत हैं जिनके अलग-अलग कार्य हैं और जो मानव जीवन को किसी न किसी रूप में प्रभावित करते हैं। इनमें से कई ऐसे देवता हैं? जो आधे पशु और आधे मानव रूप में हैं। आधे सर्प और आधे मानव रूप में हैं।

12 आदित्य

अंशुमान, अर्यमन, इंद्र, त्वष्टा, धातु, पर्जन्य, पूषा, भग, मित्र, वरुण, वैवस्वत और विष्णु।

11 रुद्र

मनु, मन्यु, शिव, महत, ऋतुध्वज, महिनस, उम्रतेरस, काल, वामदेव, भव और धृत-ध्वज ये 11 रुद्र देव हैं। इनके पुराणों में अलग-अलग नाम मिलते हैं।

2 अश्विनी कुमार

अश्विनीकुमार त्वष्टा की पुत्री प्रभा नाम की स्त्री से उत्पन्न सूर्य के दो पुत्र हैं। ये आयुर्वेद के आदि आचार्य माने जाते हैं।

8. पृथ्वी के देवता अर्थात भू: (धरती)

पृथ्वी, उषा, अग्नि, सोम, बृहस्पति, नदियां आदि। अज एकपाद और अहितर्बुध्न्य दोनों आधे पशु और आधे मानवरूप हैं। मरुतों की माता की चितकबरी गाय है। एक इन्द्र की वृषभ (बैल) के समान था। राजा बली भी इंद्र बन चुके हैं और रावण पुत्र मेघनाद ने भी इंद्रपद हासिल कर लिया था। इसके अलावा विश्वदेव, आर्यमन, तथा ऋतु नाम के भी देवता हैं। अर्यमनन पित्रों के देवता हैं, तो ऋतु नैतिक व्यवस्था को कायम रखने वाले देवता।

प्राकृतिक शक्तियां

अग्नि, वायु, इंद्र, वरुण, मित्र, मरुत, त्वष्टा, सोम, ऋभु:, द्यौ:, पृथ्वी, सूर्य (आदित्य), बृहस्पति, वाक, काल, अन्न, वनस्पति, पर्वत, पर्जन्य, धेनु, पूषा, आप:, सविता, उषा, औषधि, अरण्य, ऋतु, त्वष्टा, श्रद्धा आदि। गायत्री मंत्र के 24 अक्षरों को 24 देवताओं संबंधित माना गया है। इस महामंत्र को 24 देवताओं का एवं संघ, समुच्चय या संयुक्त परिवार कह सकते हैं। इस मंत्र के जाप से 24 देवता जाग्रत हो उठते हैं।

गायत्री ब्रह्मकल्प में देवताओं के नामों का उल्लेख

1-अग्नि, 2-वायु, 3-सूर्य, 4-कुबेर, 5-यम, 6-वरुण, 7-बृहस्पति, 8-पर्जन्य, 9-इन्द्र, 10-गन्धर्व, 11-प्रोष्ठ, 12-मित्रावरूण, 13-त्वष्टा, 14-वासव, 15-मरूत, 16-सोम, 17-अंगिरा, 18-विश्वेदेवा, 19-अश्विनीकुमार, 20-पूषा, 21-रूद्र, 22-विद्युत, 23-ब्रह्म, 24-अदिति । 33 देवी और देवताओं के कुल के अन्य बहुत से देवी-देवता हैं- सभी की संख्या मिलाकर भी 33 करोड़ नहीं होती,लाख भी नहीं होती और हजार भी नहीं। वर्तमान में इनकी पूजा होती है।

शिव-सती

सती ही पार्वती है और वहीं दुर्गा है। उसी के नौ रूप हैं। वही दस महाविद्या है। शिव ही रुद्र हैं और हनुमानजी जैसे उनके कई अंशावतार भी हैं।

विष्णु-लक्ष्मी

विष्णु के 24 अवतार हैं। वहीं राम है और वही कृष्ण भी। बुद्ध भी वही है और नर-नारायण भी वही है। विष्णु जिस शेषनाग पर सोते हैं वही नाग देवता भिन्न-भिन्न रूपों में अवतार लेते हैं। लक्ष्मण और बलराम उन्हीं के अवतार हैं।

ब्रह्मा-सरस्वती

ब्रह्मा को प्रजापति कहा जाता है। उनके मानसपुत्रों के पुत्रों में कश्यप ऋषि हुए जिनकी कई पत्नियां थी। उन्हीं से इस धरती पर पशु, पक्षी और नर-वानर आदि प्रजातियों का जन्म हुआ। चूंकि वह हमारे जन्मदाता हैं इसलिए ब्रह्मा को प्रजापिता भी कहा जाता है।

निष्कर्ष

आपने देखा की 12 आदित्यों में से ही एक विष्णु और 11 रुद्रों में से ही एक शिव और ब्रह्मा को ही प्रजापति कहा गया है। 8 वसु भी दक्षकन्या वसु के पुत्र थे जिनके पिता कष्यप ऋषि थे और 11 रुद्रों के पिता भी कश्यप ऋषि थे। रुद्रों की माता का नाम सुरभि था।

क्या आप भी देखते हैं धन के सपने...

जीवन में कई बार हमें विचित्र किस्म के सपने आते हैं जिनका वर्तमान से तालमेल बैठाना मुश्किल होता है। अगर हम एकाग्र होकर, गहराई से उनका विश्लेषण करें तो उनके इशारे और परिणाम को जानने में सफलता मिल सकती है।

* यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में स्वयं को प्याज खाता हुआ देखता है तो उसको खोई हुई प्रतिष्ठा मिल जाती है अथवा कोई गड़ा पड़ा धन मिल जाता है।
* स्वप्न में व्यक्ति सफेद कबूतर देखता है तो उसे विदेश में सम्मान मिलता है।
* यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में यह देखे कि उसके पास भेड़ बकरियां अथवा गाएं हैं तो उसके धन एवं समृद्धि में आशातीत वृद्धि होती है।
* यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में अपनी नाक को बहुत बड़ी देखे तो उसे आदर-सम्मान प्राप्त होता है।
* यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में देखे कि वह भिखारी हो गया है तो उसकी समृद्धि दिनोंदिन बढ़ती है।
* यदि कोई औरत स्वप्न में बुलबुल या किसी अन्य चहचहाने वाले पक्षी को देखे तो उसे संतान की प्राप्ति होती है

नवसारी सीट पर होंगी कांटे की टक्कर, कांग्रेस प्रत्याशी नैषद देसाई को मिल रहा जन समर्थन

गांधीजी की विचारधारा पर चलने वाले नैषद देसाई का लोगों में क्रेज, लोग ले रहे है सेल्फी

सूरत। इंडी और कांग्रेस के उम्मीदवार नैषद देसाई भी मतदाताओं को लुभाने के लिए उतरे मैदान में लोकसभा चुनाव 2024 का काउंट डाउन शुरू हो गया है, जहां हर पार्टी चुनाव प्रचार में लग गई है, वहीं कांग्रेस और भारत गठबंधन के उम्मीदवार नैषद देसाई भी मतदाताओं को लुभाने के लिए मैदान में उतर गए हैं।

नवसारी लोकसभा की बात करें तो यहां बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल और कांग्रेस के दिग्गज नेता नैषद देसाई के बीच चुनावी जंग होने वाली है। कांग्रेस के लिए भले ही मुकाबला आसान नहीं कहा जाता है, लेकिन पार्टी और उम्मीदवार इस तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। रोजाना अलग अलग क्षेत्र में सभा ग्रुप मीटिंग कार्यकर्ताओं के साथ की जा रही है। ऐसे में भारत गठबंधन के उम्मीदवार नैषद देसाई बमरोली क्षेत्र के अपेक्षा नगर 1, अपेक्षा नगर 2, महादेव नगर, गोवालक समेत क्षेत्र में कार्सकर्ता और स्थानीय लोगों के साथ डोर टू डोर प्रचार और मुलाकात की। गांधी वेश और गांधी विचारधारा कांग्रेस प्रत्याशी के लिए बेहद अहम पहलू साबित हो रहा है। छोटे से लेकर बुर्जुग सभी प्रत्याशी में गांधीबापू के गुधा खोज रहे है और प्रत्याशी भी अपने-अपने हिसाब से लोगों को कांग्रेस के गारंटी कार्ड के बारे में समझा रहा है। कांग्रेस को वोट क्यों दें और सत्ता में आने पर कांग्रेस क्या करेगी, लोग भी उत्साह से सभा में आ रहे हैं और अपने-अपने भ्रमित करने वाले सवाल पूछ रहे हैं और उम्मीदवार के साथ सेल्फी ले रहे हैं जैसे कि वह कोई सेलिब्रिटी हो, जिससे पता चलता है कि नवसारी लोकसभा इस बार यह सीट निश्चित रूप से कांटे की टक्कर वाली साबित होगी।

वोटिंग अवेयरनेस में सूरत ने रचा इतिहास, सूरत प्री स्कूल एसोसिएशन ने बनाया विश्व रिकार्ड

सूरत। भारतीय लोकतंत्र की पूरे विश्व मे चर्चा है विश्व का सबसे बड़ा डेमोक्रेसी में चुनाव को उत्सव की तरह सेलिब्रेट किया जाता है। इसी कड़ी में सूरत प्री स्कूल एसोसिएशन की 66 स्कूलों ने अपने 8200 बच्चों के सहयोग से ड्राइंग द्वारा वोटिंग अवेयरनेस कर इतिहास रच दिया साथ ही बच्चों ने अपनी ड्राइंग पेरेंट्स को भेंट कर फोटो क्लिक किया। गुजरात बुक ऑफ रिकार्ड्स ने इस वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को दर्ज कर दिया है।

रिकार्ड्स सूरत कलेक्टर एवं जिला चुनाव अधिकारी श्री डॉ सौरभ पारधी की उपस्थिति में दिया गया। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी श्री भगीरथ परमार ने वोटिंग अवेयरनेस को सराहा। सूरत पुलिस कमिश्नर श्री अनुपम सिंह गहलोत, जॉइंट कमिश्नर श्री वाबंग जमीर एवं के इन डामोर ने सूरत प्री स्कूल एसोसिएशन को आगे भी इस तरह के प्रयासों को जारी रखने की प्रेरणा दी।

स्कूल अध्यक्षा निधिसिंह एवं पधाधिकारी कामना खंडेलवाल, विर्ती शाह, भैरवी परीख, स्वास्ति जोशी, हेमाली त्रिवेदी, भक्ति कन्थिरिया, आकांशा पाटिल, नयना सोनवणे ने बताया कि युवा पेरेंट्स काफी बार वोटिंग दिवस को पिकनिक का दिवस समझ लेते है इसलिए ये अवेयरनेस जरूरी है कि वोट का कितना महत्व है ।

सचिव राजेश माहेश्वरी एवं पदाधिकारी गोपाल खत्री, जेनीश जैन ने बताया कि पिछले लोकसभा से इस लोकसभा के पहले चरण में 5% वोटिंग कम हुई है जो लोकतंत्र के लिए सकारात्मक नही है।

सूरत सांसद निर्विरोध चुनने के कारण

काफी मतदाताओं को गलतफहमी हुई कि चुनाव नही होगा जबकि सूरत जिले में 3 लोकसभा के वोटर है जिसमे 2 चरण में चुनाव 7 मई को हैं।

ये अवेयरनेस सूरत प्री स्कूल एसोसिएशन भले ही सूरत में करवा रहा है लेकिन पूरे देश को अच्छा संदेश जाएगा जैसे स्वच्छता में सूरत ने पूरे देश को मैसेज दिया वैसे ही मिनी इंडिया सूरत सोशल मीडिया द्वारा वोटिंग अवेयरनेस होगा।

जागरूक नागरिक होने के नाते हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम राष्ट्र निर्माण में अवेरनेस द्वारा योगदान करें

प्री स्कूल पूरे देश मे नेशनल एजुकेशन पालिसी के वर्षों पहले से ही राष्ट्र निर्माण एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आ रही है।

विनीता गोलेच्छा, मेघा नंदवानी, कृष्णा ठक्कर, कविता शाह हिरेन गाँधी सहित काफी प्री स्कूल संचालक का विशेष सहयोग रहा।

28 अप्रैल को अग्रसेन भवन के पंचवटी हॉल में 13वां वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया

सुरत भुमि, सूरत। श्री राम जानकी परिवार द्वारा 28 अप्रैल को सूरत शहर के अग्रसेन भवन में 13वें वार्षिक महोत्सव के दौरान एक भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में पूज्य अनुपजी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा भव्य भजन संध्या में सुंदरकांड का पाठ करने के लिए दिल्ली से शीतल पांडे, अयोध्या से पंकज निगम, सूरत से मुकेश दाधीच, अहमदाबाद से नंदकिशोरजी शास्त्री मौजूद रहेंगे।

श्री राम जानकी परिवार सूरत की ओर से मेहंदीपुर बालाजी कार्यक्रम 28 अप्रैल को होगा। सुंदरकांड पाठ का वाचन करने के लिए अहमदाबाद से नंदकिशोरजी शास्त्री आएंगे। शाम को स्थानीय गायक मुकेश दाधीच द्वारा मेहदी पुर बालाजी के भजन प्रस्तुत किये जायेंगे। दिल्ली से शीतल पांडे, अयोध्या से पंकज निगम भजन सुनाएंगे। उसके बाद छप्पनभोग, महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम से किसी भी समाज के लोग लाभान्वित हो सकते हैं। गुरु महाराज अनुपजी शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। 28 अप्रैल को अनुपजी महाराज अग्रसेन भवन स्थित राधिका निवास में उपस्थित रहेंगे जिन लोगों को समस्या है वे गुरुजी अनुपजी महाराज से मिलकर अपनी समस्या बता सकते हैं, जिससे उन्हें काफी लाभ होगा. जो लोग इनके दर्शन का लाभ लेना चाहते हैं वे इस कार्यक्रम में आ सकते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को बालाजी महाराज और गुरुजी महाराज से जोड़ना और उनके दर्शन से लाभान्वित करना है।

यह हमारा 13वाँ वार्षिक उत्सव है। हर समाज के लोग इस कार्यक्रम का लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं को उनके सामने रखें और समस्या से छुटकारा पाएं।

साबरकांठा डेयरी और टेट्रा पैक ने पुराने कार्टन से बनायीं गौशाला के लिए मजबूत छत्त

गुजरात- साबरकांठा डेयरी, प्रमुख डेयरी सहकारी और टेट्रा पैक, फूड प्रोसेसिंग और पैकेजिंग सोल्युशन्स के सेक्टर में एक ग्लोबल लीडर, ने डेयरी उद्योग में सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए एक नई साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत, दोनों ने मिल कर, पेय पदार्थों के पुराने कार्टन को रिसाइकिल करके श्वश्चद्य4द्य सामग्री से 40 गायों के शेड का प्रोजेक्ट शुरू किया है। यह PolyAl शीट्स टेट्रा पैक के गुजरात स्थित एक रीसाइक्लिंग पार्टनर ईस्टर्न कार्गो द्वारा बनायी गई हैं ईस्टर्न कार्गो टेट्रा पैक के साथ से साझेदारी में है और छत की टाइलें और सपाट शीट बनाने में महारत रखते हैं।

polyAl कार्टन पैकेजों का नॉन फ़ाइबर कंपोनेंट है, जिसमें पॉलीओलेफ़िन और एल्यूमीनियम मिला होता है। ये परतें कीटाणु रहित कार्टन पैकेजों की सामग्री की सुरक्षा के लिए ऑक्सीजन और नमी को रोकने का काम करती हैं। polyAl से बनी छत की चादरें हल्की, जलरोधक, जंग-रोधी और तापमान को रोकने वाली होती हैं, जो सीमेंट और जस्तेदार लोहे जैसी पारंपरिक सामग्रियों के मुकाबले सस्ती और पर्यावरण के अनुकूल होती हैं। ईस्टर्न कार्गो द्वारा किए गए अध्ययनों के अनुसार, ये चादरें सीमेंट (या पारंपरिक सामग्री) से बनी चादरों की तुलना में किसी भी बाड़े के तापमान को 5-7 डिग्री तक कम कर देती हैं।

सुभाषचंद्र वी.पटेल, प्रबंध निदेशक, साबर डेयरी ने कहा "साबरकांठा डेयरी में, सस्टेनेबिलिटी हमारे आचार का अभिन्न अंग है, और हम भारत में डेयरी उद्योग के लिए सबसे अच्छा काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टेट्रा पैक के साथ यह साझेदारी एक प्रमाण है कि रीसायकल की हुई सामग्री का सही और सकारात्मक तरीक़े से इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है" "आने वाले महीनों में, साबरकांठा डेयरी और टेट्रा पैक इन नई PolyAl छत्त के तापमान में कमी लाने वाले गुणों का गाय के स्वास्थ्य और दुग्ध उत्पादन पर क्या प्रभाव पड़ेगा - इसकी जाँच करेंगे इसके साथ ही डेयरी के क्षेत्र में ऐसे सस्टेनेबल समाधानों को भविष्य में और आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है इस पर भी विचार करेंगे।"

कैसियो सिमोस, मैनेजिंग डायरेक्टर, टेट्रा पैक साउथ एशिया ने कहा, "यह प्रोजेक्ट सस्टेनेबिलिटी के प्रभाव के लिए रिसाइक्लिंग के महत्व और स्थानीय भागीदारी की ताकत को दर्शाती है। कल्पना कीजिये यदि देश भर के सभी शेड इस तरह से रिसाइकल सामग्री का प्रयोग करते, तो हम न केवल रिसाइकल योग्य कचरे को लैंडफिल में जाने से रोक पाते बल्कि हम कचरे के प्रबंधन और रीसाइक्लिंग में उद्यमिता को भी बढ़ावा देते। हम साबरकांठा डेयरी के साथ मिलकर काम करने को लेकर है ताकि मिल कर सस्टेनेबिलिटी और पार्टनरशिप को बढ़ावा दे सके ।"

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में 'डिस्कवरी आईक्यू जेन2' PET CT स्कैन मशीन के उपयोग की शुरुआत हुई

अहमदाबाद। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने आज बड़े गर्व के साथ कैंसर के इलाज में अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक टेक्नोलॉजी- PET/CT स्कैनर 'डिस्कवरी आईक्यू जेन2' को लॉन्च किया है। यह अत्याधुनिक उपकरण मरीजों को सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता में एक बड़ी उपलब्धि को दर्शाता है।

'डिस्कवरी आईक्यू जेन2' PET CT स्कैन मशीन वास्तव में कैंसर के इलाज के लिए टेक्नोलॉजी का एक उन्नत संस्करण है, जो बेहतर गुणवत्ता वाली तस्वीर, रेडिएशन की कम डोज, स्कैनिंग की तेज गति और डायग्नोसिस में पहले से कई गुना बेहतर सटीकता जैसे फायदे प्रदान करती है। ये सारी सुविधाएँ अधिक सटीक ढंग से डायग्नोसिस, बेहतर उपचार योजना और कैंसर के उपचार के साथ-साथ चिकित्सा के दूसरे क्षेत्रों में मरीजों के परिणामों में सुधार में योगदान देती हैं।

इस तकनीक में एक रेडियोएक्टिव ट्रेसर (पॉजिट्रॉन का उत्सर्जन करने वाला एक पदार्थ) का उपयोग किया जाता है, जिसे इंजेक्शन के जरिए मरीज के शरीर में डाला जाता है। ट्रेसर शरीर में घूमता रहता है तथा पॉजिट्रॉन उत्सर्जित करता है, जो इलेक्ट्रॉनों से टकराता है और इस तरह गामा किरणें उत्पन्न होती हैं। PET स्कैनर द्वारा इन गामा किरणों का पता लगाया जाता है, जिससे विस्तृत तस्वीर बनती है जिससे पता चल पाता है कि कोशिकीय स्तर पर अंग और ऊतक किस तरह काम कर रहे हैं। PET स्कैन मेटाबॉलिक स्तर पर हुए बदलाव और असामान्यताओं का पता लगाने में विशेष रूप से उपयोगी होते हैं, जैसे कि कैंसरग्रस्त कोशिकाएं, जो सामान्य कोशिकाओं की तुलना में ज्यादा ग्लूकोज का उपयोग करती हैं। शरीर का क्रॉस-सेक्शनल इमेज प्राप्त करने के लिए एक्स-रे का उपयोग किया जाता है, और यह सीटी स्कैन ऊतकों एवं अंगों की संरचना और घनत्व को दिखाते हुए शरीर के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करता है। सामान्य तौर पर इनका उपयोग ट्यूमर, असामान्यताओं और किसी भी तरह के जख्म का पता लगाने के लिए किया जाता है। इससे शुरुआती चरण में ही बीमारी का पता लगाने में सुविधा होती है, इसलिए यह तकनीक व्यक्तिगत उपचार योजना के लिए बेहतर संभावनाओं की पेशकश करती है।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के कंसल्टेंट रेडियोलॉजी ऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ. देवांग भावसार कहते हैं, "डिस्कवरी आईक्यू जेन2' PET/CT स्कैनर का लॉन्च इस बात की पुष्टि करता है कि हम कैंसर के मरीजों को उच्चतम स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के अपने इरादे पर अटल हैं। इसकी बेहतर इमेजिंग गुणवत्ता और डायग्नोस्टिक की उन्नत क्षमताओं के साथ, अब हम हर मरीज की निजी जरूरतों के लिए अनुरूप अधिक सटीक डायग्नोसिस और आवश्यकता के अनुसार तैयार की गई उपचार योजना की पेशकश कर सकते हैं। अपने मरीजों के लिए बेहतर परिणाम लाना ही हमारा लक्ष्य है और हम इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इस तकनीक का लाभ उठाएंगे।"

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के अध्यक्ष, डॉ. केयूर पारिख कहते हैं, "मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में PET/CT स्कैन मशीन 'डिस्कवरी आईक्यू जेन2' के उपयोग की शुरुआत, सही मायने में कैंसर उपचार में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।"

सूरत आरटीओ एम/साइकिल गोल्डन और सिल्वर नंबर श्रृंखला जीजे 05 टीबी की ई-नीलामी आयोजित करेगा

सूरत। सूरत के पाल स्थित आरटीओ द्वारा एम/साइकिल सीरीज के नए सीरीज जीजे 05 टीबी के गोल्डन और सिल्वर नंबरों की ऑनलाइन नीलामी शुरू की जाएगी। इस ई-नीलामी के लिए पंजीकरण तिथि 02 से 04 मई-2024 एवं नीलामी 04 से 06 मई-2024 तक आयोजित की जायेगी।

जो वाहन मालिक पसंदीदा नंबर प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें अपने वाहनों को http://parivahan.gov.in/fancy पर पंजीकृत करना होगा, यूजर आईडी और पासवर्ड तैयार करना होगा और वाहन आयुक्त के कार्यालय के निर्धारित निर्देशों के अनुसार नीलामी में भाग लेना होगा। . पसंदीदा नंबर प्राप्त करने के लिए आवेदन बिक्री चालान की तारीख या बीमा की तारीख, जो भी पहले हो, से 7 दिनों के भीतर जमा किया जाना चाहिए। ऐसा आवेदन करने की तिथि से 60 दिनों तक वैध रहेगा। इस प्रकार, यदि आवेदक को 60 दिनों के भीतर कोई पसंदीदा नंबर नहीं मिलता है या आवेदक को उपलब्ध नंबरों में से कोई पसंदीदा नंबर आवंटित नहीं किया जा सकता है, तो आवेदन की तारीख से 60 दिनों के बाद पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा यादृच्छिक रूप से नंबर आवंटित किया जाएगा। आखिरी दिन।

यह 60 दिन की सीमा केवल आवेदक को आगे की नीलामी में भाग लेने का अवसर देने के उद्देश्य से दी गई है। 60 दिन की सीमा के कारण, अनंतिम पंजीकरण प्रमाणपत्र को 30 दिनों तक बढ़ाने का कोई प्रावधान नहीं है। अस्थायी पंजीकरण प्रमाणपत्र पूरा होने के बाद उनका वाहन अपंजीकृत माना जाएगा, जिसका उपयोग सार्वजनिक स्थानों पर नहीं किया जा सकेगा।

यदि आवेदक नीलामी प्रक्रिया पूरी होने के 5 दिनों के भीतर बोली राशि जमा करने में विफल रहता है, तो आधार मूल्य जब्त कर लिया जाएगा और नीलामी दोहराई जाएगी। आवेदक को आरबीआई द्वारा निर्धारित दर पर शुल्क का भुगतान करना होगा। चूंकि असफल आवेदक को रिफंड के लिए मौजूदा मैनुअल पद्धति के अनुसार पैसा वापस करना होगा, पैसा एसबीआई ई-पे के माध्यम से आवेदक के उसी खाते में उसी मोड में वापस कर दिया जाएगा जैसे कि भुगतान नेट बैंकिंग, क्रेडिट के माध्यम से किया गया था।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने टीग्लॉस पेश किया एक व्यापक कार विवरण समाधान

बैंगलोर। 'ग्राहक सबसे पहले' के अपने दर्शन के अनुरूप, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड ने अपने क्रांतिकारी कार केयर ब्रांड टीग्लॉस की पेशकश की घोषणा की है। यह कार डिटेलिंग की दुनिया में ब्रांड के प्रवेश का मौका है। भारत में कार ग्राहकों के बीच उच्च गुणवत्ता और विश्वसनीय कार विवरण सेवाओं की बढ़ती मांग के जवाब मे टीकेएम कार देखभाल उद्योग को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। इसकी शुरुआत विशेष रूप से टोयोटा वाहनों के लिए तैयार किए गए समाधानों की व्यापक श्रृंखला के साथ हो रही है।

1 मई 2024 से भारत में प्रत्येक अधिकृत टोयोटा डीलरशिप पर टीग्लॉस की पेशकश की जाएगी। यह ग्राहकों को उच्च पेशेवर तरीके से प्रदान किए जाने वाले गुणवत्तापूर्ण कार देखभाल समाधानों तक सुविधा जनक पहुंच प्रदान करता है, जिससे एक सुखद स्वामित्व अनुभव सुनिश्चित होता है।

किसी भी कार निर्माता द्वारा उद्योग में पहली बार पेश की गई इस तरह की सेवा टीग्लॉस ब्रांड के तहत उपलब्ध होगी। टीकेएम वाहन की आंतरिक और बाहरी उपस्थिति को बढ़ाने के लिए क्यूरेट की गई सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करेगा। इसमें सिरेमिक कोटिंग, अंडर बॉडी कोटिंग, साइलेंसर कोटिंग और आंतरिक पैनल सुरक्षा शामिल है। इन उपचारों का उद्देश्य न केवल वाहनों की सौंदर्य अपील को बढ़ाना है बल्कि पर्यावरणीय तत्वों के खिलाफ कुछ हद तक सुरक्षा भी प्रदान करना है।

ग्राहक आंतरिक संवर्धन और बाहरी सौंदर्यी करण सेवाओं जैसी व्यापक सेवाओं का भी लाभ उठा सकते हैं जो कार में नई जान फूंकती हैं, सौंदर्य अपील को पुनर्जीवित करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि यह बिल्कुल नई जैसी दिखे। इसके अतिरिक्त, यात्रियों की भलाई के लिए टीग्लॉस सेवाएं एसी डक्ट की सफाई और बाष्पीकरण कर्ता की सफाई के साथ सतह से परे जाती हैं, जो एक बेजोड़ परिवेश देने में योगदान करती हैं।

SBI कार्ड ने ट्रैवेल के शौकीन लोगों के लिए 'SBI कार्ड MILES' लॉन्च किया

मुंबई। भारत के सबसे बड़े प्योर-प्ले क्रेडिट कार्ड इश्यूअर SBI कार्ड ने ट्रैवेल पर आधारित अपने पहले ट्रैवेल-फ़ोकस कोर क्रेडिट कार्ड, 'SBI कार्ड MILES' के तीन वैरिएंट मुंबई में लॉन्च किए हैं। इस कार्ड का उद्देश्य हर तरह के यात्री के लिए भरपूर यात्रा लाभ मुहैया करवाना है, फिर चाहे वे सफ़र करने की चाह रखने वाले हों, लगातार उड़ान भरने वाले हों या फिर यात्रा करने के शौकीन हों। 'SBI कार्ड MILES' आकर्षक फ़ीचर्स का ऑफ़र देता है जिनमें ट्रैवेल क्रेडिट को एयर माइल्स और होटल पॉइंट्स में बदलने के साथ-साथ हर ट्रैवेल बुकिंग पर ऐक्सेलरेटेड रिवॉर्ड और एयरपोर्ट लाउंज ऐक्सेस शामिल हैं। यह कार्ड रीडेम्पशन के पूर्ण विकल्प के साथ कार्डहोल्डर्स को सशक्त बनाते हुए एयर विस्तारा, एयर इंडिया, स्पाइसजेट, एयर फ़्रांस-KLM, एतिहाद एयरवेज़, एयर कनाडा, थाई एयरवेज़, क्वांटास एयरवेज़, ITC होटल, IHG होटल और रिज़ॉर्ट्स सहित 20 से ज़्यादा एयरलाइन और होटल ब्रैंड्स के साथ पार्टनर हैं, जिनमें ऐकॉर भी शामिल है।

भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन श्री दिनेश कुमार खारा के अनुसार, "मज़बूत आर्थिक विकास और मज़बूत खपत परिदृश्य ने दुनिया में भारत की स्थिति में इज़ाफा किया है। यहाँ तक कि ट्रैवेल सेक्टर में, आज भारत को एशिया और यूरोप सहित कई देशों में आउटबाउंड ट्रैवेल के लिए प्रमुख स्रोत बाज़ारों में से एक माना जाता है। मैं 'SBI कार्ड MILES' के लॉन्च पर SBI कार्ड को बधाई देता हूँ, जो एक मज़बूत प्रोडक्ट है और जो भारतीय कंज़्यूमर्स के लिए यात्रा के अनुभवों को फिर से परिभाषित करेगा।"

यह साफ है कि भारतीय ज़्यादा से ज़्यादा और अलग-अलग यात्रा/ ट्रैवेल अनुभवों के लिए खुलकर सामने आते जा रहे हैं। इस कार्ड के तीन वैरिएंट्स - 'SBI कार्ड MILES ELITE', 'SBI कार्ड MILES PRIME' और 'SBI कार्ड MILES' - को क्यूरेट किए गए यात्रा लाभों के ज़रिए कार्डहोल्डर्स के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्डहोल्डर्स प्रत्येक 200 रुपये के यात्रा खर्च पर 6 ट्रैवेल क्रेडिट्स और अन्य ट्रैवेल श्रेणियों पर 200 रुपये खर्च करने पर 2 ट्रैवेल क्रेडिट्स तक हासिल कर सकते हैं। 'SBI कार्ड MILES' के अंतर्गत प्रस्तुत विकल्प कार्डधारकों को कई मशहूर एयरलाइंस और होटल पार्टनर्स के बीच एक आसान और बिना किसी रुकावट के ट्रैवेल क्रेडिट रिडीम करने की सुविधा देती है। कोई भी SBI कार्ड मोबाइल ऐप या वेबसाइट htt-

ps://www.sbicard.com पर जाकर इन ट्रैवेल क्रेडिट को संबंधित पार्टनर्स के एयर माइल्स/होटल पॉइंट्स में बदल सकता है या सीधे एयर टिकट और होटल आवास बुक करने के लिए उनका इस्तेमाल कर सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप उन्हें SBI कार्ड के रिवॉर्ड कैटलॉग पर भी रिडीम कर सकते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)